मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 10 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 10 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 327 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ ारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा

तब्बू को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत ◂◂ 6

विधानसभा घेराव करने पहुंचे छात्रों ने तोड़ी पुलिस की बैरिकेडिंग

पुलिस ने किया पानी की बौछार

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। विधानसभा घेराव के लिए 24 जिलों से पहुंचे छात्रों का आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने आठवीं बैरिकेडिंग भी तोड़ दी और विधानसभा की ओर बढ़ने लगे। छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार का प्रयोग किया। पुलिस और प्रशासन की ओर से लगातार छात्रों से आगे नहीं बढ़ने और शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने की अपील की जा रही है।

आठवीं बैरिकेडिंग पार करने के बाद प्रदर्शनकारी छात्रों का बड़ा समूह अलग-अलग टुकड़ियों में बंट गया। कुछ छात्र आगे बढ़ने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश कर रही है। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। निगरानी के लिए आकाशीय कैमरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे इस बड़े छात्र आंदोलन में 24 जिलों से विद्यार्थी पहुंचे हैं। हाथों में तिरंगा, पोस्टर और बैनर लिए छात्रों का समूह नए विधानसभा की ओर बढ़ रहा है। इस बीच परीक्षा सुधार मार्च के प्रतिनिधिमंडल की ओर से छात्रों से बार-बार शांतिपूर्ण तरीके से धरना देने और किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने की अपील की जा रही है।

प्रदर्शनकारी छात्रों की भीड़ कच्चे रास्ते से होते हुए जगन्नाथ मंदिर तक पहुंच गई। छात्रों ने पुलिस की बैरिकेडिंग को पार किए बिना कच्चे और पहाड़ी रास्तों का सहारा लेते हुए विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया। प्रशासन ने भी परीक्षा सुधार मार्च के प्रतिनिधिमंडल से विधानसभा की ओर नहीं बढ़ने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य छात्रों को रोकने और शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन बड़ी संख्या में मौजूद छात्रों की भीड़ को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो गया।

इधर, भूख हड़ताल कर रहे देवेंद्रनाथ महतो भी पालकी पर बैठकर धरना स्थल पर पहुंचे। आंदोलन को लेकर मौके पर प्रशासन और पुलिस की गतिविधियां लगातार बढ़ी हुई हैं। अधिकारियों की ओर से प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और निर्धारित स्थान पर रहकर अपनी मांगें रखने की अपील की जा रही है।

विधानसभा घेराव करने विधायक जयराम महतो भी पहुंचे

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं के विरोध में विधानसभा घेराव करने पहुंचे छात्रों के बीच झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के डुमरी विधायक जयराम महतो भी पहुंचे। उन्होंने विधानसभा के बाहर आंदोलन कर रहे छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों और आंदोलन को लेकर बातचीत की।

इस दौरान छात्रों ने विधायक के समक्ष परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के अलावा अपनी विभिन्न मांगों को रखा। छात्रों ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कथित गड़बड़ियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर अपनी बात रखी। जयराम महतो ने छात्रों की समस्याओं और उनकी मांगों को गंभीरता से सुना तथा आंदोलन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनके साथ चर्चा की।

विधायक ने छात्रों से उनकी समस्याओं और आंदोलन की परिस्थितियों के बारे में जानकारी ली। विधानसभा के बाहर छात्रों का प्रदर्शन परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं के खिलाफ जारी रहा। छात्रों ने अपनी मांगों को लेकर सरकार से उचित कार्रवाई की मांग की।

पुलिसकर्मियों के साथ छात्रों ने गाया राष्ट्रगान, भारत माता की जय के नारों से गूंजा विधानसभा मार्ग

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग परीक्षा में कथित गड़बड़ी के विरोध में विधानसभा मार्च कर रहे छात्रों ने पुलिसकर्मियों के साथ राष्ट्रगान गाया। इसके बाद भारत माता की जय के नारों से विधानसभा की ओर जाने वाला मार्ग गूंज उठा। राष्ट्रगान और देशभक्ति के नारों के बीच छात्रों का प्रदर्शन अब पहले की तुलना में कुछ शांत होता दिखाई दे रहा है।

इससे कुछ देर पहले जगन्नाथपुर मंदिर के पीछे प्रदर्शन कर रहे छात्र अचानक उग्र हो गए थे। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिसकर्मियों की ओर पत्थर, जूते और चप्पल फेंकना शुरू कर दिया। पुलिस ने जब छात्रों को रोकने का प्रयास किया तो स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि कुछ छात्रों ने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की भी की।

पथराव की घटना में एक पुलिसकर्मी के सिर में चोट लग गई। घायल पुलिसकर्मी को उसके साथी पुलिसकर्मी इलाज के लिए अस्पताल लेकर गए। घटना के बाद मौके पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

इधर, पुलिसकर्मी प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ संयम और शालीनता से पेश आते नजर आए। पुलिस की ओर से छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने और किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं करने की अपील की जा रही है। हालांकि, कुछ छात्र अब भी आक्रोशित होकर पुलिस के सामने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

राष्ट्रगान के दौरान छात्रों और पुलिसकर्मियों के एक साथ खड़े होने के बाद माहौल कुछ देर के लिए शांत नजर आया। इसके बाद छात्रों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। प्रशासन की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बाबूलाल मरांडी समेत कई भाजपा नेता डिटेन, ले जाया गया कैंप जेल

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में झारखंड लोक सेवा आयोग और अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और धांधली के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन ने सोमवार को बड़ा रूप ले लिया। विधानसभा घेराव के लिए हजारों की संख्या में छात्र सड़कों पर उतरे। छात्रों ने पुलिस की ओर से लगाए गए बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरों को पार कर विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए सैकड़ों छात्रों को हिरासत में ले लिया। हालांकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। वहीं, भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी सहित दर्जनों नेताओं को भी डिटेन कर लिया गया है।

500 से अधिक छात्रों को रोका गया : विधानसभा की ओर बढ़ रहे छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की थी। जैसे-जैसे छात्रों की संख्या बढ़ती गई, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति बनती गई। कई स्थानों पर छात्रों ने पुलिस घेरा तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लगभग 500 से ज्यादा छात्रों को हिरासत में लिया। हालांकि बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। पुलिस कार्रवाई के बाद भी आंदोलनकारी छात्रों का कहना है कि उनकी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

सीएम आवास के बाहर धरने पर बैठे भाजपा नेताओं का डिटेन : छात्रों के विधानसभा घेराव के बीच राजनीतिक मोर्चे पर भी हलचल तेज रही। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी सहित दर्जनों भाजपा नेता मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठे थे। भाजपा नेताओं ने छात्रों की मांगों का समर्थन करते हुए सरकार पर भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। पुलिस ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर धरने पर बैठे बाबूलाल मरांडी समेत अन्य भाजपा नेताओं को भी डिटेन कर लिया।

विधानसभा घेराव को लेकर बढ़ाई गई सुरक्षा : छात्रों के विधानसभा घेराव ऐलान को देखते हुए रांची पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। विधानसभा और मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई थी। बड़ी संख्या में पुलिस बल और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई। प्रशासन की कोशिश है कि प्रदर्शनकारी छात्र विधानसभा परिसर तक नहीं पहुंच सकें। वहीं, आंदोलनकारी छात्र किसी भी स्थिति में विधानसभा तक पहुंचने और अपनी मांगों को सरकार के सामने मजबूती से रखने पर अड़े हैं।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते गिरफ्तार

14वीं सिविल सेवा परीक्षा में कथित अनियमितता का मामला

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष एल. ख्यांग्ते को सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी जेपीएससी की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रतियोगिता परीक्षा में कथित अनियमितता से जुड़े मामले में की गई है। सीआईडी की कार्रवाई के बाद इस मामले में जांच और तेज होने की संभावना है। जानकारी के अनुसार, 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा को लेकर सामने आई कथित गड़बड़ियों की जांच झारखंड पुलिस की अपराध अनुसंधान विभाग कर रही है।

विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों और पुलिस में झड़प, पुलिस बस पर चढ़कर छात्रों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के विरोध में मंगलवार को छात्रों का विधानसभा घेराव आंदोलन उग्र हो गया। बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने के दौरान छात्रों और पुलिस के बीच झड़प और पथराव हुआ। इस घटना में कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है।

प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित छात्रों ने पुलिस की एक बस पर कब्जा कर लिया और बस की छत पर चढ़कर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी की। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने छात्रों को समझाने तथा स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन इलाके में काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। छात्रों की ओर से पहले शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा तक पहुंचकर अपनी मांगें रखने और पुलिस से टकराव से बचने की बात कही गई थी। हालांकि, बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने के दौरान स्थिति बिगड़ गई और छात्रों तथा पुलिस के बीच झड़प शुरू हो गई। इस दौरान पथराव भी हुआ, जिसमें कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घटना के बाद पूरे विधानसभा क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। प्रशासन की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने और कानून-व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

आहर में डूबे दो सगे भाई, एक साथ उठी दो अर्थियां

चौड़ार गांव में मातम, 14 और 12 वर्षीय मासूम भाइयों की मौत से हर आंख नम

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : छत्तरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बगैया पंचायत के चौड़ार गांव में रविवार को एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे गांव को गम में डुबो दिया। पंचायत भवन के समीप स्थित आहर (तालाब) से दो सगे भाइयों के शव बरामद होने के बाद गांव में मातम पसर गया। मृतकों की पहचान उमाशंकर राम के दो पुत्रों के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 14 और 12 वर्ष बताई जा रही है घटना की सूचना मिलते ही छत्तरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से दोनों बच्चों के शवों को आहर से बाहर निकलवाया गया। एक साथ दो मासूम भाइयों के शव देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। गांव में हर तरफ चीख-पुकार और मातम का माहौल है। बताया जा रहा है कि दोनों भाई आहर में कैसे पहुंचे और उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। दो मासूम भाइयों की एक साथ हुई मौत ने परिवार पर दुखों का ऐसा पहाड़ तोड़ दिया है, जिसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की थी। जिस घर में बच्चों की चहक सुनाई देती थी, वहां अब मातम की सिसकियां गूंज रही हैं।

झारखंड के छात्र आंदोलन पर संसद के मानसून सत्र में भी रही गहमा गहमी

नई दिल्ली : संसद के मानसून सत्र में एफसीआरए विधेयक, अयोध्या में भूमि खरीद-फरोख्त, विपक्षी दलों के विरोध और झारखंड के छात्र आंदोलन पर सियासत गरमा गई है। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने एफसीआरए विधेयक पर सरकार से स्पष्टता की मांग की है। उन्होंनेसरकार से पारदर्शिता बरतने और नियम को सभी संगठनों पर समान रूप से लागू करने की मांग की है। सपा सांसद डिंपल यादव ने सवाल उठाया कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) एक पंजीकृत संगठन है या नहीं। उन्होंने कहा कि कानून और नियम सभी के लिए समान होने चाहिए तथा पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि एफसीआरए बिल के जरिए एनजीओ और विभिन्न संगठनों के तहत पंजीकृत संपत्तियों को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है और इससे लोगों में डर का माहौल पैदा हो सकता है। सपा सांसद ने अयोध्या से जुड़े जमीन और ट्रस्ट के मामलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से एसआईटी कमेटी गठित है, लेकिन जमीन के लेन-देन को लेकर उठे सवालों का अब तक स्पष्ट जवाब नहीं मिला है। उनके मुताबिक, कुछ संपत्तियों को कथित तौर पर वास्तविक कीमत से कई गुना अधिक दाम पर खरीदे जाने के आरोप हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि करीब 2 करोड़ रुपये की जमीन 16 करोड़ रुपये में और 5 करोड़ रुपये की जमीन कथित तौर पर 25, 30 या 40 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने दान राशि में कथित अनियमितताओं और सोने-चांदी की वस्तुओं के गायब होने से जुड़े आरोपों का भी उल्लेख किया और कहा कि इन मामलों का उचित हिसाब और रिकॉर्ड सामने आना चाहिए।

कांग्रेस सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि विपक्ष की मांगों में बदलाव के बावजूद सरकार की ओर से जरूरी जवाब नहीं मिला है। पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई थी, जिसके बाद गृह मंत्री अमित शाह से 20 जुलाई की घटनाओं को लेकर सदन में स्पष्टीकरण देने की मांग की जा रही है।

रेड्डी ने कहा कि जब तक गृह मंत्री सदन में आकर इस मुद्दे पर जवाब नहीं देते, विपक्ष सरकार के साथ सदन चलाने में सहयोग नहीं करेगा और सरकार द्वारा लाए जा रहे विधेयकों में भी भागीदारी नहीं करेगा। वहीं, झारखंड में छात्रों के विरोध प्रदर्शन को लेकर जेएमएम सांसद महुआ माजी ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मंत्रियों के साथ बैठक के बाद छात्रों की करीब 98 प्रतिशत मांगें स्वीकार किए जाने की घोषणा हुई थी और उस समय छात्रों ने भी इसे माना था। हालांकि, बाद में बातचीत के बाद छात्रों ने फिर विरोध मार्च निकालने का फैसला किया।

महुआ माजी ने कहा कि परीक्षा को रद्द करने का फैसला अदालत के निर्देश के बिना सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। उन्होंने जेपीएससी की पिछली परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और धांधली का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मौजूदा मामले में सीआईडी जांच कर रही है और सरकार ने फास्ट-ट्रैक कोर्ट प्रक्रिया के जरिए 90 दिनों के भीतर मामले को निपटाने का निर्देश दिया है। हालांकि, छात्रों को जांच के बाद न्याय मिलने की गारंटी को लेकर सवाल बने हुए हैं।

झारखंड आदिवासी महोत्सव में झलकी आदिवासी संस्कृति की समृद्ध विरासत

आदिवासी समाज का सम्मान, संरक्षण एवं सशक्तिकरण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता: उपायुक्त

संवाददाता

चतरा : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) सह प्रशिक्षण भवन हॉल में झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पारंपरिक आदिवासी संस्कृति, लोक कला, लोक संगीत, नृत्य एवं सांस्कृतिक विरासत की मनमोहक झलक देखने को मिली। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न प्रखंडों से आए जनजातीय समाज के लोगों एवं आम नागरिकों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपायुक्त रवि आनंद सहित सभी अतिथियों का पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज के अनुसार पौधा एवं गमछा भेंट कर स्वागत किया गया। इसके उपरांत सभी अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया।अपने स्वागत संबोधन में उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के

गौरवशाली इतिहास, समृद्ध संस्कृति, प्रकृति के प्रति उनकी आस्था तथा उनके अद्वितीय जीवन-दर्शन को सम्मान देने का अवसर है। उन्होंने कहा कि चतरा जिला प्राकृतिक संपदाओं एवं सांस्कृतिक विविधताओं से समृद्ध है तथा यहां का आदिवासी समाज सदियों से जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का संदेश देता आया है। प्रकृति और मानव के बीच संतुलन स्थापित करने की उनकी जीवनशैली आज पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।उपायुक्त ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, तिलका मांझी एवं जतरा भगत जैसे महान जननायकों के संघर्ष एवं बलिदान ने समाज को स्वाभिमान, आत्मसम्मान और अधिकारों की रक्षा का मार्ग दिखाया है। उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर जिला प्रशासन समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची, पेसा अधिनियम तथा वनाधिकार अधिनियम आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के मजबूत आधार हैं। जिला प्रशासन वनाधिकार पट्टा वितरण, ग्राम सभाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, छात्रवृत्ति, स्वरोजगार, स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आजीविका संवर्धन, कौशल विकास, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल एवं आधारभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ-साथ उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लें।जिला परिषद अध्यक्षा ममता कुमारी ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज की गौरवशाली संस्कृति एवं परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा सामाजिक समरसता को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर जिला परिषद उपाध्यक्ष बृज किशोर तिवारी ने कहा कि झारखंड की पहचान यहां के आदिवासी एवं मूलवासी समाज से है। आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराएं एवं जल, जंगल और जमीन से उनका अटूट संबंध झारखंड की वास्तविक पहचान है।कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। एम.डी. ग्रुप, हजारीबाग द्वारा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के जीवन एवं संघर्ष पर आधारित नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। वहीं जन विकास मंच, रांची द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक झूमर नृत्य तथा आदिवासी गीत-संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियों पर पूरा सभागार मांदर की थाप पर झूम उठा।

इस अवसर पर व्यक्तिगत वन अधिकार अधिनियम के तहत स्वीकृत 06 लाभुकों के बीच कुल 13.53 एकड़ रकबा से संबंधित व्यक्तिगत वन अधिकार पट्टा का वितरण भी किया गया।कार्यक्रम परिसर में आकर्षक सेल्फी प्वाइंट लोगों के आकर्षण का केंद्र रहा, जहां अतिथियों एवं आमजनों ने उत्साहपूर्वक सेल्फी लेकर आयोजन की यादों को संजोया। वहीं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी की स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा लगाए गए दीदी कैफे एवं उत्पाद प्रदर्शनी स्टॉल का अतिथियों ने अवलोकन किया तथा स्थानीय उत्पादों एवं महिला समूहों के प्रयासों की सराहना की।

बजरंगदल रांची जिला ग्रामीण का जिला बैठक सम्पन्न

संवाददाता

खलारी : विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल रांची जिला ग्रामीण की जिला बैठक रविवार को जिला अध्यक्ष रामेश्वर दयाल सिंह के अध्यक्षता में टेंडर सेवेन शीश होटल, रातु में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन जिला मंत्री लाल लोकनाथ सहदेव जी के द्वारा किया गया

बैठक में प्रान्त सामाजिक समरसता समिति सदस्य रोबिन कुमार महतो जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। बैठक का मुख्य बिंदु आगामी कार्यक्रमों को लेकर अखंड भारत संकल्प दिवस, स्थापना दिवस इत्यादि कार्यक्रम पर विचार-विमर्श किया गया इस दौरान प्रान्त संगठन मंत्री चितरंजन ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बजरंगदल सनातन धर्म और हिंदू समाज के जागरण के लिए जमीन पर कार्य करने वाला संगठन है। संगठन की मजबूती के लिए सभी कार्यकताओं को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी बैठक में आगामी अभियानों, मंदिर सुरक्षा, सामाजिक समरसता एवं युवा जागरण को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए सभी ने संकल्प लिया धर्म की रक्षा के लिए कार्य करेंगे मोके पर उपस्थित थे जिला संगठन मंत्री कार्तिक बजरंगदल जिला संयोजक बिनोद विश्वकर्मा,

विभाग सत्संग प्रमुख रोशन चौधरी ,विजयनाथ महतो, जिला संगठन मंत्री कार्तिक जी, अजय महतो, रंजीत महतो, गुलाब सिंह, बजरंग सिंह, आशीष सिंह, सतेश्वर सिंह, ज्योति कुमार, अखौरी जी, रामप्रसाद मुंडा, नवल ठाकुर, राजकुमार मिश्रा, सरयू साहू ,बैजनाथ महतो, रंजू देवी, बिना सिंह, रिया कुमारी, पार्वती देवी आदि कई लोग उपस्थित थे।

हंटरगंज में आंदोलन के बाद भी नहीं सुधरी बिजली व्यवस्था

डुमरी पावर ग्रिड के समक्ष सैकड़ों लोगों का धरना

15 अगस्त तक सुधार का अल्टीमेटम, नहीं तो सड़क जाम कर उग्र आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड में लगातार जारी अघोषित बिजली कटौती और बदहाल विद्युत व्यवस्था को लेकर लोगों का आक्रोश अब लगातार बढ़ता जा रहा है।बिजली संकट के खिलाफ क्षेत्र में एक के बाद एक आंदोलन किए जाने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं होने से रविवार को सैकड़ों उपभोक्ताओं ने डुमरी पावर ग्रिड के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया।प्रदर्शन में शामिल लोगों ने हाथों में तख्तियां लेकर बिजली विभाग, प्रशासन के साथ-साथ सांसद और विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उपभोक्ताओं का आरोप है कि हंटरगंज में बिजली की स्थिति बेहद खराब हो गई है। हर घंटे बिजली कटने से कभी आधे घंटे तो कभी सोलह-अठारह घंटे तक आपूर्ति बाधित रहती है।इसका सीधा असर आम जनजीवन पर पड़ रहा है।

खासकर बच्चों की पढ़ाई, किसानों के काम, छोटे व्यवसाय, पेयजल आपूर्ति और घरेलू कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि वे समय पर बिजली बिल का भुगतान करते हैं, लेकिन इसके बावजूद नियमित और पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है।

पहले कैंडल मार्च, फिर आधे दिन बंद रहा बाजार

ज्ञात हो कि हंटरगंज में बिजली संकट को लेकर आंदोलन का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को लोगों ने कैंडल मार्च निकालकर बिजली विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इसके बाद शुक्रवार को बिजली व्यवस्था के विरोध में हंटरगंज की सभी दुकानें करीब आधे दिन तक बंद रहीं। लगातार विरोध-प्रदर्शन के बावजूद बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं होने से लोगों का आक्रोश और बढ़ गया है।इसी कड़ी में रविवार को सैकड़ों लोगों ने डुमरी पावर ग्रिड के समक्ष धरना देकर अपनी नाराजगी जाहिर की। लगातार तीन चरणों में हुए विरोध प्रदर्शन से साफ है कि बिजली संकट अब केवल शिकायत का मुद्दा नहीं, बल्कि बड़े जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है।प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे लोगों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लगातार आंदोलन और विरोध के बावजूद विभाग की कार्यशैली में कोई ठोस बदलाव नहीं आया है। लोगों ने सवाल उठाया कि जब पूरा क्षेत्र बिजली संकट से परेशान है, तो जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या पर प्रभावी कदम क्यों नहीं उठा रहे हैं।प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जनता अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि बिजली समस्या का स्थायी समाधान चाहती है।आंदोलनकारियों ने बिजली व्यवस्था में सुधार के लिए 15 अगस्त तक का अंतिम अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी दी गई कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर विद्युत आपूर्ति में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आंदोलनकारियों ने कहा कि अगले चरण में सड़क जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। इसके लिए उत्पन्न होने वाली स्थिति की पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग और प्रशासन की होगी।लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करते हुए हंटरगंज में नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है।

सोहाद में अनियंत्रित कार बाउंड्रीवाल से टकराई, बाल-बाल बचे कार सवार

ओवरटेक के दौरान दो वाहनों ने दिया चकमा, संतुलन बिगड़ने से हुआ हादसा

कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त, बाउंड्रीवाल भी टूटा

संवाददाता

चतरा : जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के सोहाद गांव के समीप रविवार दोपहर चतरा-डोभी मुख्य पथ पर उस वक्त बड़ा हादसा टल गया, जब एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे स्थित बाउंड्रीवाल से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि कार में सवार लोग बाल-बाल बच गए। चालक को हल्की चोट लगने की सूचना है। बताया जाता है कि जबड़ा निवासी राजू यादव उर्फ डॉ. कुंदन कुमार अपने गांव से हंटरगंज स्थित क्लीनिक आ रहे थे। इसी दौरान सोहाद गांव के समीप दो अज्ञात वाहनों द्वारा ओवरटेक किए जाने के दौरान अचानक चकमा लगने से कार का संतुलन बिगड़ गया। देखते ही देखते कार सड़क किनारे

बाउंड्रीवाल से जा टकराई।हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।दुर्घटना की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कार सवारों को बाहर निकालने में मदद की। गनीमत रही कि हादसा गंभीर रूप नहीं ले सका और किसी को बड़ी चोट नहीं आई। घटना के बाद क्षतिग्रस्त कार को देखकर मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।इधर, घटना की सूचना मिलते ही एएसआई अजय कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार और अचानक वाहनों के ओवरटेक करने के कारण चालक का संतुलन बिगड़ना हादसे की प्रमुख वजह मानी जा रही है।

बड़गांव कांड पर गरजे नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी कहा

पुलिस की लापरवाही से दो दिनों तक मासूम के साथ होती रही दरिंदगी

कहा,अपहरण की सूचना के बाद भी पुलिस ने नहीं की कार्रवाई, समय पर एक्शन होता तो नहीं बिगड़ता पूरा मामला

संवाददाता

चतरा : जिले के टंडवा थाना क्षेत्र के बड़गांव में चार अगस्त को नाबालिग आदिवासी किशोरी के साथ दुष्कर्म के आरोप और उसके बाद आरोपी युवक इमरोज की ग्रामीणों द्वारा पिटाई के बाद इलाज के दौरान हुई मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। रविवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह वर्तमान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी बड़गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उनके साथ चतरा सांसद कालीचरण सिंह, सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास, पूर्व सिमरिया विधायक सह भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष किशुन दास समेत भाजपा के कई नेता मौजूद रहे। पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद बाबूलाल मरांडी ने स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि नाबालिग बच्ची के अपहरण की सूचना उसके परिजनों ने स्थानीय पुलिस को समय रहते दी थी, लेकिन इसके बावजूद समय पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस यदि समय रहते कार्रवाई करती तो बड़गांव घटनाक्रम सामने नहीं आता।बाबूलाल मरांडी ने कहा कि परिजनों के अनुसार इमरोज नामक युवक नाबालिग बच्ची का कथित तौर पर अपहरण कर अपने घर में रखे हुए था और लगातार दो दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि पुलिस को इसकी जानकारी दिए जाने के

बावजूद स्थानीय पुलिस हाथ पर हाथ धरकर बैठी रही। उन्होंने कहा कि यह बेहद दर्दनाक स्थिति है। एक गरीब परिवार की बच्ची के साथ इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी यदि पुलिस समय पर कार्रवाई नहीं करती है तो इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है और आम लोगों का कानून-व्यवस्था से भरोसा कमजोर होता है।

गरीब परिवार समझकर पुलिस ने मामले को हल्के में लिया

बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि पुलिस ने पूरे मामले को गरीब परिवार से जुड़ा होने के कारण कथित तौर पर हल्के में लिया। उन्होंने कहा कि बड़गांव में जिस तरह की स्थिति बनी है, वह बेहद दर्दनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी इमरोज के माता-पिता एवं अन्य परिजनों के खिलाफ पॉक्सो जैसे गंभीर कानून के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद तत्काल गिरफ्तारी कर कठोर कार्रवाई करने के बजाय नाबालिग पीड़िता के माता-पिता को ही पुलिस ने उल्टा जेल भेज है। नेता प्रतिपक्ष ने पुलिस पर यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद 56 नामजद और 150 से अधिक अज्ञात ग्रामीणों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यदि निर्दोष ग्रामीणों को इस मामले में परेशान किया जा रहा है तो यह भी गंभीर विषय है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

दर्द हो रहा है, अब घर के छोटे बच्चों की परवरिश कौन करेगा ?

पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद बाबूलाल मरांडी भावुक भी नजर आए। उन्होंने कहा कि परिवार की स्थिति देखकर दर्द हो रहा है। पीड़िता के दादा बुजुर्ग हैं और दादी लकवाग्रस्त हैं। ऐसे में घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं, उनकी परवरिश अब कौन करेगा, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने कहा कि इस परिवार को सिर्फ न्याय ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और प्रशासनिक सहयोग की भी जरूरत है। सरकार को पीड़ित परिवार की स्थिति को देखते हुए हरसंभव सहायता उपलब्ध करानी चाहिए।

यह हिंदू-मुस्लिम का सवाल नहीं, बच्चियों की सुरक्षा का सवाल है

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बड़गांव की घटना को हिंदू-मुस्लिम के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। यह किसी धर्म या समुदाय का सवाल नहीं, बल्कि बच्चियों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का सवाल है। उन्होंने कहा कि हम किसी को भी इजाजत नहीं देंगे कि वह किसी बच्ची के साथ दुर्व्यवहार करे। समाज के सभी वर्गों को मिलकर ऐसे अपराधियों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ऐसे लोगों को संरक्षण या प्रोत्साहन देने के बजाय हिंदू-मुस्लिम समेत सभी समाज और वर्गों को एकजुट होकर प्रशासन के सहयोग से समय रहते कानून के हवाले करना चाहिए।

इमरोज के पुराने मामलों का भी किया जिक्र

बाबूलाल मरांडी ने दावा किया कि इमरोज के खिलाफ पहले से दो-दो दुष्कर्म के मामले दर्ज थे और वह पॉक्सो एक्ट जैसे गंभीर मामले में जेल में भी रह चुका था। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद यदि वह दोबारा इस तरह की घटना को अंजाम देने में सफल हुआ तो यह कानून-व्यवस्था और पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरोज रिवॉल्वर और चाकू लेकर घूमता था तथा सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ तस्वीरें डालकर कथित तौर पर दहशत फैलाने का प्रयास करता था। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि यदि पहले से उसके खिलाफ दर्ज मामलों में समय पर प्रभावी कार्रवाई होती और समाज के सभी वर्ग प्रशासन के साथ मिलकर ऐसे अपराधी को कानून के शिकंजे में रखते, तो शायद बड़गांव में आज जैसी स्थिति पैदा नहीं होती।बड़गांव दौरे के दौरान बाबूलाल मरांडी ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार और पुलिस प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सब्र का इम्तिहान नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चियों के साथ दुष्कर्म करने वालों का इमरोज जैसा ही अंजाम होगा। ताकि अपराधियों के मन में कानून का भय पैदा हो। उन्होंने कहा कि यदि कुकर्मियों को समय पर सजा नहीं मिली तो इसके गंभीर परिणाम सामने आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि किसी बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले अपराधी को समाज में खुलेआम घूमने की अनुमति नहीं दी जा सकती। प्रशासन को ऐसे अपराधियों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई करनी होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति बच्चियों के साथ दुष्कर्म करेगा तो उसका अंजाम इमरोज जैसा ही होना चाहिये। ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने इमरोज की मौत का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति पैदा होने से पहले ही पुलिस और प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए थी।

दोषी बचें नहीं और निर्दोष फंसें नहीं

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बड़गांव के पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। दुष्कर्म के आरोप की भी निष्पक्ष जांच हो और आरोपी की मौत के मामले की भी कानून के अनुसार जांच हो। उन्होंने कहा कि यदि किसी पुलिस अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं, यदि निर्दोष ग्रामीणों को केवल दबाव बनाने या परेशान करने के लिए मुकदमे में फंसाया गया है तो उन्हें भी राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा और आवश्यक सहायता दी जाए, मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बड़गांव के लोगों से अपील करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि घटना को लेकर किसी भी प्रकार का सांप्रदायिक तनाव पैदा नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराधी की पहचान उसके अपराध से होनी चाहिए, धर्म से नहीं। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम सभी समाज के लोग आपस में बैठकर प्रशासन के सहयोग से ऐसे अपराधियों के खिलाफ समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित करें। इससे अपराधी भी कानून से डरेंगे और समाज में सद्भाव भी बना रहेगा। बाबूलाल मरांडी ने अंत में कहा कि बड़गांव की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन सवालों का जवाब सरकार और पुलिस प्रशासन को देना होगा। उन्होंने कहा कि बच्चियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गांव में लगा है धारा 163, उमड़ी हजारों की भीड़

नाबालिक बच्ची के साथ दरिंदगी के मामले का विरोध इस कदर गांव में है कि जिला प्रशासन द्वारा गांव में धारा 163 लागू किए जाने के बावजूद बाबूलाल मरांडी के दौरे के दौरान हजारों की संख्या में ग्रामीण महिलाएं और बुजुर्ग मौके पर जुट गए। इस दौरान पुलिस लगातार माईकिंग कर लोगों से एक जगह एकत्रित नहीं होने की अपील करती रही, लेकिन आक्रोशित भीड़ ने पुलिस की एक नहीं सुनी। मौके पर लोग जमकर सरकार और पुलिस विरोधी नारे लगाते रहे।

पहाड़ी मंदिर स्थित मां काली के मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना

ज्योति पाठक

रांची स्थित पहाड़ी मंदिर प्रांगण में मां काली के मंदिर में मां काली की विशेष पूजा अर्चना संपन्न हुई इस अवसर पर काफी संख्या में भक्त जन श्रद्धालु और लोग उपस्थित हुए मां काली की एक और जहां आरती के समय उपस्थित श्रद्धालु गण मां की जमकर जय जय कारा लगाया वही पूजा अर्चना के पश्चात उपस्थित भक्तजन मां के दर्शन कर धन्य हुए यूं तो पहाड़ी मंदिर परिसर में में भक्त जनों और श्रद्धालु तथा लोगों के उपस्थिति और भीड़ प्रतिदिन काफी संख्या में रहती है और लोग यहां आकर मां काली के दर्शन कर काफी भाव विभोर और आनंदित भी होते हैं ।

केसरवानी महिला समाज ने धूमधाम से मनाया सावन महोत्सव, 60 महिलाओं ने लिया हिस्सा

रांची : रांची जिला केसरवानी महिला समाज के तत्वावधान में शनिवार को चुटिया में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेहा केशरी और संचालन महामंत्री पूजा केशरी ने किया।

गोत्राचार्य कश्यप मुनि के चित्र पर माल्यार्पण से हुई शुरूआत : कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम गोत्राचार्य कश्यप मुनि के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सावन मास के अवसर पर कार्यक्रम की थीम हरे रंग की रखी गई थी।

गणेश, नृत्य, संगीत और रैम्प वॉक का हुआ आयोजन : महोत्सव में कुल 60 महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान गेम्स, नृत्य, संगीत, रैम्प वॉक और क्विज प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हिन्दी केशरी को ₹सावन क्वीन₹ का खिताब प्रदान किया गया।

पदाधिकारी रहे उपस्थित : कार्यक्रम में मुख्य रूप से संरक्षक रेखा केशरी, अध्यक्ष नेहा केशरी, महामंत्री पूजा केशरी, कोषाध्यक्ष रिंकी केशरी, उपाध्यक्ष मंजू केशरी, सुनीता टंडसी, अंजू केशरी, शशि केशरी, किरण केशरी, श्वेता सुरभि, श्वेता केशरी, दीपा केशरी, अंचन केशरी, कल्पना केशरी, रीना केशरी एवं रंजना केशरी सहित समाज की अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

9वीं झारखंड राज्य सब-जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन

रांची : झारखंड सेपक टकरा संघ के तत्वावधान में 9वीं झारखंड राज्य सब-जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन आज रांची स्थित जीला स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से लगभग 100 खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री दिलीप तिर्की, अपर सचिव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि डॉ. शिप्रा प्रकाश, प्राचार्य, गोविंद राम कटारुका विद्यालय, पुंदाग की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा श्री उदय साहु, प्रेसिडेंट सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखंड,श्री चंचल भट्टाचार्य, श्री नूरुल होदा, श्री शिवेंद्र नाथ दुबे, श्री अमरेन्द्र दत्त द्विवेदी, श्री राज किशोर एवं श्री रौनक कुमार सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि सेपक टकरा जैसे खेलों को राज्य के विभिन्न जिलों में बढ़ावा देने से ग्रामीण एवं युवा प्रतिभाओं को आगे आने का बेहतर अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम में किया जाएगा।

अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में मनी कामिका एकादशी उत्सव

रांची : मैने अर्जी लिख दी बाबा तेरे दरबार में , बस मोहर लगा दो अपनी खड़ा इंतजार में पे भाव विभोर हुए भक्तगण अवसर था अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में दिनांक 09 अगस्त 2026 को कामिका एकादशी उत्सव अत्यंत श्रद्धा भाव वातावरण में आयोजित किया गया ।

प्रातः से ही भक्तों की भारी भीड़ इस पावन दिवस पर श्री श्याम प्रभु का दर्शन करने के लिए उमड़ पड़ी ।

इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को सुंदर नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर जूही , बेला , रजनीगंधा , गुलाब , मोगरा एवम तुलसी दल की मालाओं से अत्यंत मनमोहक श्रृंगार किया गया साथ ही मन्दिर में विराजमान बजरंगबली एवम शिव परिवार का भी इस अवसर पर विषश श्रृंगार किया गया ।

रात्रि 9 बजे से श्री श्याम प्रभु के जयकारों की बीच पावन ज्योत प्रज्वलित कर श्री श्याम मण्डल के सदस्यों द्वारा भावपूर्ण संकीर्तन प्रारम्भ किया गया ।

1 श्याम तेरे भरोसे मेरा ये परिवार है
2 तुझको रिझाएंगे भजन तेरा सुनाएंगे
3 खूब सज्यों श्रृंगार खाटू वाले को
4 छोड़ेंगे ना हम तेरा द्वार ओ बाबा सात जन्म तक
5 हमें तो जी भी दिया श्याम बाबा ने दिया

इत्यादि भजनों की लय पर भक्तगण झूमते रहे । इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मेवा - फल - खीर चूरमा व केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया ।

रात्रि 12 बजे महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम जोशी , रमेश सारस्वत , चन्द्र प्रकाश बागला , धीरज बंका , मनोज ढांढणनीयां , नितेश केजरीवाल , नितेश लाखोटिया , विकाश पाडिया, राजेश सारस्वत , प्रियांश पोद्दार , विवेक ढांढनीयां, प्रदीप अग्रवाल का सहयोग रहा ।

330 मुस्लिम मेधावी छात्र-छात्राओं का हुआ सम्मान दो को मिला एपीजे अब्दुल कलाम उत्कृष्टता पुरस्कार

संवाददाता

रांची : रांची के कडरू स्थित हज हाउस में फ्रेंड्स ऑफ वीकर सोसाइटी की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह, छात्रवृत्ति वितरण सह परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में वर्ष 2026 की दसवीं और बारहवीं की सीबीएसई, आईसीएसई तथा झारखंड अधिविद्य परिषद की परीक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले राज्यभर के 330 मुस्लिम छात्र-छात्राओं को स्मृति चिह्न, प्रमाणपत्र और नकद राशि देकर सम्मानित किया गया।

एपीजे अब्दुल कलाम उत्कृष्टता पुरस्कार के तहत दो मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। इनमें झारखंड अधिविद्य परिषद की दसवीं की परीक्षा में राज्य में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले महताब अंसारी, जिन्होंने 98.8 प्रतिशत अंक हासिल किए, तथा बारहवीं विज्ञान की राज्य टॉपर रशीदा नाज, जिन्होंने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, शामिल हैं।

सम्मानित मेधावी विद्यार्थियों में झारखंड अधिविद्य परिषद की दसवीं में सबनासिब ममाशा, सफिया रानी ने 98.4 प्रतिशत तथा नजफ तबस्सुम और तस्मिया परवीन ने 97.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं में आसिफा अहमद ने 96.2 प्रतिशत, बरजेगा इतेर्शाम ने 95.2 प्रतिशत तथा अलीहान मैयर, जिकरा आलिया और मो. अब्बास रिजवी ने 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र की दसवीं में इकरा फातिमा ने 98.6 प्रतिशत, शिफा आरिफ ने 96.8 प्रतिशत और ऐयाज अदीम ने 96.2 प्रतिशत अंक हासिल किए।

झारखंड अधिविद्य परिषद की बारहवीं में शुमैला सबा ने 94.8 प्रतिशत और इशरा रहमती ने 94.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की बारहवीं में जरतब जावेद खान ने 97.2 प्रतिशत, जन्नत जरा ने 95.6 प्रतिशत और ताहिश माज ने 95.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। भारतीय माध्यमिक शिक्षा प्रमाणपत्र की बारहवीं में मुहम्मद ने 96 प्रतिशत और फरहान आलम ने 87.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

जल्द शुरू होगी मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कोचिंग योजना

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हाफिजूल हसन ने घोषणा की कि झारखंड हज भवन में जल्द ही मुख्यमंत्री अल्पसंख्यक कोचिंग योजना शुरू की जाएगी। इसके तहत अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास का रास्ता है और विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने फ्रेंड्स ऑफ वीकर सोसाइटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था झारखंड की शान है। उन्होंने अभिभावकों से बेटियों की शिक्षा को लेकर किसी तरह का भय नहीं रखने और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए बाहर भेजने में संकोच नहीं करने की अपील की।

विशेष अतिथि डॉ. नवाज देवबंदी ने कहा, ₹बेटे अगर हीरा हैं तो बिटिया कोहिनूर हैं।₹ उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ इंसानियत, सद्भाव और देशभक्ति की सीख दी।

समारोह में विधायक एमटी राजा, अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम, पुलिस उपमहानिरीक्षक नौशाद आलम, भारतीय पुलिस सेवा, कृषि विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी, झारखंड क्रिकेट अकादमी के अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव, झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, जेएन कॉलेज की प्राचार्य डॉ. शमसुन नहार सहित सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

सोसाइटी के अध्यक्ष तनवीर अहमद ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की प्रतिभा और काबिलियत को सम्मान देना तथा उनके बेहतर भविष्य की मजबूत नींव रखना है। महासचिव कमर सिद्दीकी ने संस्था की गतिविधियों और उपलब्धियों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरूआत हाफिज अब्दुल्लाह कमर द्वारा पवित्र कुरआन की तिलावत से हुई।

महर्षि मोदन सेन जयंती पर जुटा हलवाई समाज सामूहिक विवाह और धर्मशाला निर्माण का लिया संकल्प

संवाददाता

रांची : मैकी रोड स्थित राजकलश भवन में रविवार को झारखंड प्रदेश कान्य कुब्ज वैश्य हलवाई महासभा की ओर से पूज्यपाद महर्षि मोदन सेन जी महाराज की जयंती, पारिवारिक मिलन समारोह एवं श्रावण महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद गुप्ता और प्रदेश के आजीवन अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान गणेश की स्तुति के साथ किया। इस अवसर पर झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में समाज के पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। समारोह में समाज के लोगों ने हवन-पूजन और भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इसके बाद पूज्यपाद महर्षि मोदन सेन जी महाराज की आरती एवं वंदना की गई और घी से निर्मित महाप्रसाद का वितरण हुआ। कार्यक्रम में महाकवि जयशंकर प्रसाद को भी याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज देश की प्रगति को गति देने वाला समाज है। इसमें भी हलवाई समाज लोगों का पेट भरने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। समाज द्वारा तैयार मिठाइयों का भोग भगवान को भी लगाया जाता है। जन्म से लेकर मृत्यु तक विभिन्न अवसरों पर हलवाई समाज की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि समाजहित से जुड़ा यह समाज दूसरों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

महासभा के अध्यक्ष दीनानाथ गुप्ता ने समाज के लोगों से विवाह योग्य युवक-युवतियों का सामूहिक विवाह के लिए संस्था में आवेदन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह का पूरा खर्च संस्था की ओर से वहन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महासभा के प्रयासों से हलवाई समाज को झारखंड में अति पिछड़ा वर्ग में शामिल किया गया है। इसका लाभ समाज के सभी पात्र लोगों को उठाना चाहिए।

कोडरमा जिलाध्यक्ष नीरज कुमार साहा ने झारखंड सरकार से अपील की कि राज्य के प्रत्येक जिले में महाकवि जयशंकर प्रसाद के नाम पर सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे भवन समाज के लोगों के सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए उपयोगी साबित होंगे।

वक्ताओं ने कहा कि 27 वर्ष पूर्व समाजसेवी जवाहर लाल गुप्ता की प्रेरणा से राजकुमार गुप्ता और स्वर्गीय अर्जुन प्रसाद ने महासभा की नींव रखी थी। दोनों ने समाज के लोगों को संगठित कर महासभा का विस्तार किया। इसके लिए झारखंड प्रदेश के सभी स्वजातीय बंधु इन दोनों विभूतियों के सदैव आभारी रहेंगे। पलामू जिलाध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि आज समाज पहले की तुलना में काफी आगे बढ़ा है। लोगों में शिक्षा के प्रति जागरूकता आई है। समाज के बच्चे चिकित्सक, अभियंता और प्रशासनिक पदाधिकारी बनकर देश और समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के गौरव महाकवि जयशंकर प्रसाद की काव्य रचनाएं विश्व प्रसिद्ध हैं और उनकी साहित्यिक विरासत समाज के लिए गौरव का विषय है।

रांची : विधानसभा घेराव के लिए आगे बढ़े छात्रों ने दूसरा बैरिकेड भी तोड़ दिया है। बड़ी संख्या में छात्र हाथों में तिरंगा लिए विधानसभा की ओर बढ़ रहे हैं।

झारखंड कुम्हार/प्रजापति समन्वय समिति का गठन

रांची : झारखंड प्रदेश में कुम्हार/प्रजापति समाज की सामाजिक एवं संगठनात्मक एकता को मजबूत करने की दिशा में रविवार को एक महत्वपूर्ण पहल प्रेस क्लब रांची में हुई। बैठक की शुरूआत दीप प्रज्वलित करते हुए तथा राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष स्व0 दिनेश प्रजापति के चित्र पर पुष्पार्पित एवं 02 मिनट मौन रखते हुए किया गया। प्रदेश के विभिन्न संगठनों झारखंड प्रजापति कुम्हार महासंघ, झारखंड कुम्हार महासभा, भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गनाइजेशन, भारतीय कुम्हार महासंघ, भारतीय प्रजापति महासंघ, अखिल भारतीय कुंभकार महासंघ, राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ आदि से जुड़े समाज के प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक में सभी को एक मंच पर लाने तथा आपसी समन्वय के लिए ह्लझारखंड कुम्हार/प्रजापति समन्वय समितिह्व के गठन पर सहमति बनी। सर्वसम्मति से अविनाश देव प्रजापति को मुख्य संयोजक, नीरज प्रजापति, रांची एवं आदित्य प्रजापति इटखोरी को सह संयोजक बनाया गया वही राजू प्रजापति रांची को कोषाध्यक्ष, कौशल आनंद प्रजापति रांची, देवेंद्र प्रजापति गढ़वा, शत्रुघ्न प्रसाद रांची को मीडिया प्रभारी बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने माना कि समाज के विकास, अधिकारों, शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक भागीदारी, आर्थिक सशक्तिकरण तथा पारंपरिक माटीकला के संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रभावी आवाज उठाने के लिए संगठनात्मक एकता समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

मायूस होने की जरूरत नहीं, सूरज डूबता है तो निकलता भी है : मौलाना हकीमुद्दीन कासमी

जमीयत उलेमा झारखंड की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला समेत चार कार्यक्रम आयोजित, संगठन को मजबूत बनाने और मकातिब के निजाम पर दिया जोर

संवाददाता

रांची : जमीयत उलेमा झारखंड की ओर से सोमवार को राजधानी रांची में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला समेत चार महत्वपूर्ण दीनी, तंजीमी और इस्लाही कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के नाज़िम-ए-उमूमी (महासचिव) हजरत मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और विभिन्न कार्यक्रमों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संगठन को मजबूत करने, बच्चों की तरबियत, मकातिब के निजाम को सुदृढ़ करने और आधुनिक तकनीक के सकारात्मक इस्तेमाल पर जोर दिया।

जामिया हुसैनिया, कडरू में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला की अध्यक्षता जमीयत उलेमा झारखंड के अध्यक्ष हजरत मौलाना अब्दुल कय्यूम कासमी ने की। सुबह 9 बजे परचम कुशाई के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कारी सुहेब अहमद ने तराना-ए-जमीयत पेश किया, जबकि कारी नदीम ने तिलावत-ए-कुरआन से कार्यक्रम का आगाज किया। प्रारंभिक संबोधन, हाजी शाह उमैर, मौलाना रिजवानउल्लाह, मौलाना असगर मिस्बाही ने किया। अपने विशेष संबोधन में हजरत मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने कहा कि मायूस होने की जरूरत नहीं है। सूरज डूबता है तो निकलता भी है। हमें उम्मीद और हौसले के साथ अपने काम को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज की बुनियाद मजबूत करने के लिए मकातिब के निजाम को मजबूत करना बेहद जरूरी है। बच्चों की दीनी और नैतिक तरबियत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तरबियत बहुत जरूरी है। बगैर अच्छी तरबियत के बच्चा आगे चलकर बेहतर इंसान नहीं बन सकता। इसलिए बच्चों को शिक्षा के साथ अच्छे अखलाक, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास कराना जरूरी है।

मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने मोबाइल और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के संबंध में कहा कि मोबाइल अपने आप में बुरी चीज नहीं है। इसका सही इस्तेमाल किया जाए तो इससे काफी फायदा उठाया जा सकता है। जरूरत इस बात की है कि इसका इस्तेमाल सकारात्मक और रचनात्मक कार्यों के लिए किया जाए।

उन्होंने जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की आजादी की जद्दोजहद में जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारे उलेमा ने देश और समाज के लिए बड़ी कुर्बानियां दी हैं। उन्होंने कहा कि जमीयत आज भी समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही है और लोगों को इससे जुड़कर उसके कामों से फायदा उठाना चाहिए।

कार्यशाला के दौरान जमीयत उलेमा का परिचय मौलाना शम्स तबरेज और मुफ्ती सलमान, मुफ्ती कमर आलम, कारी अंसारुल्लाह ने पेश किया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता जमीयत उलेमा झारखंड के उपाध्यक्ष हजरत मौलाना रिजवान साहब ने की। इस सत्र में जमीयत स्टडी सेंटर, सद्भावना मंच तथा विभिन्न कार्यकताओं के तास्सुरात और अनुभव पर चर्चा हुई। तीसरे सत्र की अध्यक्षता मौलाना मिन्हाज कासमी तथा चौथे सत्र की अध्यक्षता मौलाना नेमतुल्लाह दुमका ने की।

कार्यशाला में झारखंड के विभिन्न जिलों से जमीयत के पदाधिकारियों, उलेमा, अधिवक्ताओं, बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया। चतरा, लोहरदगा, सिमडेगा, दुमका समेत विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने संगठनात्मक गतिविधियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विचार साझा किए।

इस अवसर पर हाजी शाह उमैर, मौलाना अब्दुल कय्यूम, मौलाना रिजवानउल्लाह, मौलाना मिन्हाज, मौलाना नेमातुल्लाह, मौलाना साबिर, मुख्तार खान, एडवोकेट खुर्शीद हसन रूमी, मौलाना तल्हा नदवी, वकील अहमद रिजवी, हसीब अख्तर, शुजाउद्दीन परवेज, हाजी आरिफ, जुनैद अनवर, मुफ्ती कमर आलम, नदीम खान, साजिद उमैर, फिरोज राईन, नौशाद आलम, हाफिज अबूबकर, मौलाना शहाबुद्दीन, मुफ्ती अबू दाऊद, डॉ. तारिक अहमद, एडवोकेट अजहर खान, एडवोकेट साबिर, गुलाम शाहिद, असदुल्लाह, मौलाना रिजवान दानिश नदवी, हाफिज जुबैर, सैफुल हक, एस. अली, मौलाना नजमुद्दीन, मौलाना अब्दुल मजीद, मौलाना अय्यूब, मौलाना परवेज, मौलाना जावेद, कारी नदीम, फजल अली, हाफिज आरिफ, मौलाना मंसूर और कारी खुर्शीद समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान हजरत मौलाना हकीमुद्दीन कासमी का जमीयत उलेमा झारखंड के सदर मौलाना अब्दुल कय्यूम कासमी, महासचिव अल्हाज शाह उमैर, मौलाना मिन्हाज कासमी, मौलाना इसहाक और नायब सदर मौलाना रिजवानुल्लाह कासमी सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। रांची में विभिन्न स्थानों पर भी उनका स्वागत किया गया। इसके अलावा करबला चौक स्थित जमीयतुल इराकीन बिल्डिंग के गुलशन मैरेज हॉल में प्रोफेशनल्स मीट का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टर, इंजीनियर, अधिवक्ता, शिक्षक, कारोबारी और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रोफेशनल्स ने भाग लिया। वहीं जोहर की नमाज के बाद हिंदपीढ़ी स्थित मदीना मस्जिद में आमसभा का आयोजन हुआ, जबकि शाम को करबला चौक स्थित होटल शाह रेजिडेंसी में महिलाओं का दीनी व तरबियती इज्तिमा आयोजित किया गया। जमीयत उलेमा झारखंड के पदाधिकारियों ने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में दीनी जागरूकता बढ़ाने के साथ संगठन को मजबूत करना, नई पीढ़ी की बेहतर तरबियत करना और समाज के विभिन्न वर्गों को सकारात्मक सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना है। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में उलेमा, बुद्धिजीवी, प्रोफेशनल्स, महिलाएं और आम लोग शामिल हुए।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

अपनों के हाथों हर 10वें मिनट पर मारी जा रही एक महिला

भारत सहित विश्व के अनेक देशों में महिलाएं घर की इज्जत मानी जतिन हैं पर यूएन वुमेन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में हर दस मिनट पर एक महिला किसी ऐसे व्यक्ति के हाथों मारी जा रही है, जिसने कभी उससे प्यार करने का दावा किया था। 2024 में विश्व में ऐसी लगभग 83,000 महिलाओं और लड़कियों में से 50,000 से ज्यादा की हत्या उनके अपने घरों में हुई, न कि अजनबियों द्वारा किसी अंधेरी गली में। किसी महिला का उत्पीड़न सार्वजनिक स्थानों पर होता है, तो हम सरकार पर गुस्सा उतारते हैं पर जब किसी महिला का उत्पीड़न उसके अपने परिजन ही करते हैं, तो हम इसे घरेलू मामला मान लेते हैं । हमारी खामोशी के कारण ये अपराध और बुरा बर्ताव घर-घर की कहानी है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार भारत में 2023 में महिलाओं के खिलाफ 4,48,211 अपराध दर्ज हुए, जो 2022 के 4.45 लाख मामले से ज्यादा हैं। फर्जी और ब्लैकमेल के मामले भी होते हैं पर महिलाओं के खिलाफ हुए कुल अपराध का 29.8 प्रतिशत करीब 1.33 लाख, मामले आईपीसी की धारा 498ए (पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता) के तहत दर्ज हुए। सच तो यह है कि भारतीय महिलाओं के लिए सबसे बड़ा खतरा घर में ही है। सर्वे बताते हैं कि लगभग 30 फीसदी भारतीय महिलाओं ने अपनी जिंदगी में घरेलू हिंसा का सामना किया है और ये सिर्फ वे महिलाएं हैं, जिन्होंने इसकी रिपोर्ट की अधिकांश तो सामने आए भी नहीं । घरेलू हिंसा, मनोवैज्ञानिक प्रताड़ना व जबरन नियंत्रण के खिलाफ अक्सर शिकायतें दर्ज नहीं होतीं, क्योंकि इससे परिवार की बदनामी होने का डर रहता है । दिल्ली के एक बड़े पान मसाला कारोबारी की 40 साल की बहू की आत्महत्या की समाचार है कि डायरी में लिखा था कि घर में प्यार नहीं था, वफादारी नहीं थी। यानी उसे मानसिक परेशानी हुई और इसी वजह से उसने यह बड़ा कदम उठाया। दो बच्चों की मां, जो देश की राजधानी के सबसे महंगे इलाकों में से एक में रहती थी, उसे भी जिंदगी से मौत बेहतर लगी। एनसीआरबी ने 2022 में 6,450 से ज्यादा दहेज हत्याएं दर्ज कीं, यानी दहेज के कारण हर दिन लगभग 17 महिलाओं की मौत हो रही है। इसे एक बड़ी चूक कहा जा सकता है। भारत अब भी जीवन साथी या रिश्तेदारों द्वारा महिलाओं की हत्या को स्त्री द्वेष नहीं मानता है। चूंकि, ये मौतें दहेज के लिए हुई मौतों, आत्महत्या, उकसाने और हत्या में फैली हुई हैं, इसलिए जीवन साथी द्वारा की गई हत्याओं की असली संख्या आधिकारिक तौर पर दर्ज संख्या से निश्चित रूप से काफी अधिक है। भावनात्मक शोषण और धमकियों, पीछा करने तथा निगरानी करने, शारीरिक हिंसा व अंत में जानलेवा हमलों से आगे बढ़कर चालाकी या षड्यंत्र से नग्न फोटो लेकर महिलाओं को शर्मिंदा करने तथा उनकी ह्यइज्जतह्न को धूमिल करने शोषण व उत्पीड़न से बचने के लिए सावधानी आवश्यक है । घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए आश्रय गृह औपचारिकता नहीं प्रभावी हो । साथ ही शिकायत करने वालों की निजता और सुरक्षा भी जरूरी है। घरेलू हिंसा को सिर्फ पारिवारिक मामला नहीं, बल्कि एक गंभीर अपराध मानना चाहिए।डिजिटल दुर्व्यवहार से युवा महिलाओं को बचाने के लिए डिजिटल साक्षरता के अलावा, तस्वीर आधारित ब्लैकमेल और डिजिटल स्टॉकिंग को घरेलू हिंसा के अपराध के तौर पर पहचानना जरूरी है। हमें लड़कियों तथा महिलाओं को सुरक्षित रखना है, तो उन्हें वस्तु नहीं परिवार की धुरी बनाना चाहिए । यदि हमारे घरों की बच्चियों को कोई कुछ बोले या दुर्व्यवहार करे तो सर झुका कर आ जाओ सिखाने के बजाय विरोध करना सिखाना चाहिए और झूठे और सच्चे मामलों की परख के लिए पुलिस के संवेदनशील अधिकारियों को ही उनकी जांच करनी चाहिए इसमें कोताही को मामूली नहीं गंभीर भ्रष्टाचार माना जाना चाहिए ।

नशे के विरुद्ध एक अभियान

देश को नक्सलवाद-माओवाद के आतंक से मुक्ति दिलाने के बाद केंद्र सरकार ने दो नये अहम अभियान प्रारंभ किये हैं- पहला, भारत को घुसपैठियों से मुक्त करना और दूसरा, युवाओं को नशे की लत से मुक्ति दिलाना। भारत के किशोरों तथा युवाओं को हर प्रकार के नशे से मुक्ति दिलाने के लिए 2 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यनशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियानह्न का प्रारंभ करते हुए वीडियो संदेश जारी किया है। अपने सन्देश में प्रधानमंत्री ने कहा कि जो युवा नशे से लड़कर बाहर निकलते हैं वे कमजोर नहीं बल्कि असली योद्धा होते हैं। समाज को उनका सम्मान करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं ताकि भारत कभी भी एक सशक्त एवं विकसित देश के रूप में स्थापित न हो सके। इस साजिश को हम सबको मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा। अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार को कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। नशे की लत युवाओं के सपनों और परिवार दोनों को ही तोड़ देती है। नशा केवल व्यक्ति या परिवार को नहीं बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। प्रत्येक रविवार को देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे जिसमें वॉकाथन और दौड़, खेल प्रतियोगिताएं, योग और ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, नशा विरोधी जागरूकता अभियान, चर्चा और संवाद कार्यक्रम, पेंटिंग्स व आट्र्स प्रतियोगिताएं तथा सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। यह अभियन 125 से अधिक आध्यात्मिक, सामाजिक तथा सरकारी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आर्ट ऑफ लिविंग, गायत्री परिवार, इस्कॉन से लेकर माता अमृतानंदमयी मठ जैसे संगठन इस अभियान से जुड़ कर कार्य कर रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद् पहले से व्यापक स्तर पर नशामुक्ति अभियान चला रहा है। युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता लाने के साथ ही गृहमंत्री अमित शाह ने भी नशे की जड़ों पर प्रहार करने का युद्ध छेड़ रखा है। ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। तस्करी करके बड़ी मात्रा में विदेशों से आने वाली ड्रग्स की जब्ती बंदरगाहों तथा एयरपोर्ट्स की जा रही है और उसे नष्ट किया जा रहा है। वर्ष 2021 में 2988 किलो हेरोइन, 2022 में 927 किलो गांजा, 2023 में 122 किलो मेफेड्रोन, 2024 में 770 किलो मेथाफाटेमाइन और 2026 में फिर 522 किलो गांजा बरामद किया जा चुका है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार 2020 से मई 2025 तक तक 116 बड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए 1,09,318 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं वर्तमान समय में नशे का सबसे बड़ा केन्द्र पंजाब तथा पूर्वोत्तर के कई छोटे राज्य हैं। विदेशी आतंकी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के युवाओं को नशे की लत में धकेलने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। अपने कुत्सित प्रयासों को सफल बनाने के लिये ये लोग स्थानीय स्तर के अपराधियों व बिगड़ैल युवाओं का सहारा लेते हैं। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में नशे के संकट पर चिंता जताते हुए कहा था कि नशा राज्य के अस्तित्व पर खतरा बन सकता है।

बिहार में सुशासन की कसौटी पर भरत तिवारी प्रकरण

बिहार लंबे समय से सुशासन की राजनीति का दावा करता रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक पहचान कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार और जवाबदेह शासन के आधार पर बनी है। भारतीय जनता पार्टी भी सुशासन, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को अपनी प्रमुख राजनीतिक प्रतिबद्धताओं में शामिल करती रही है।

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति राज्य की दंडात्मक क्षमता नहीं बल्कि कानून का शासन होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि न्याय कानून की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हो, न कि संदेह, शक्ति या दबाव के आधार पर। जब किसी पुलिस मुठभेड़ पर गंभीर प्रश्न उठने लगें, जब न्यायिक प्रक्रिया से पहले गोलियों की गूंज सुनाई दे और जब देश के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सार्वजनिक मंच से गंभीर आरोप लगाएँ, तब वह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु का मामला नहीं रह जाती बल्कि शासन, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की परीक्षा बन जाती है। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर ने बिहार की राजनीति और प्रशासन के सामने ऐसे ही अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने मीडिया के समक्ष दावा किया है कि यह कोई सामान्य पुलिस मुठभेड़ नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे घटनाक्रम के पीछे जवइनिया गांव के विस्थापितों के लिए आई लगभग 1400 करोड़ रुपये की राशि से जुड़े कथित वित्तीय घोटाले को छिपाने का उद्देश्य था। आरोपों की सत्यता का निर्णय केवल सक्षम न्यायालय अथवा निष्पक्ष जांच एजेंसी ही कर सकती है। इसलिए किसी भी पक्ष को दोषी या निर्दोष घोषित करना अभी न्यायोचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि इतने गंभीर आरोपों को केवल सरकारी बयान या औपचारिक स्पष्टीकरण से खारिज नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र

में पारदर्शिता केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की आधारशिला होती है। यदि जनता के मन में संदेह पैदा हो जाय तो उस संदेह का समाधान निष्पक्ष जांच से ही संभव है।

बिहार लंबे समय से सुशासन की राजनीति का दावा करता रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक पहचान कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार और जवाबदेह शासन के आधार पर बनी है। भारतीय जनता पार्टी भी सुशासन, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को अपनी प्रमुख राजनीतिक प्रतिबद्धताओं में शामिल करती रही है। ऐसे में यदि किसी पुलिस मुठभेड़ पर व्यापक संदेह पैदा होता है तो उसका प्रभाव केवल पुलिस विभाग तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरी शासन व्यवस्था की साख पर पड़ता है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार देता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी व्यक्ति के अपराध का निर्धारण न्यायालय करेगा, पुलिस नहीं। यदि कोई व्यक्ति गंभीर अपराधों का आरोपी भी हो, तब भी उसे न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने का अधिकार प्राप्त है। लोकतंत्र में पुलिस का दायित्व अपराधियों को कानून के समक्ष प्रस्तुत करना है, न कि स्वयं अभियोजन, न्यायाधीश और दंडाधिकारी की भूमिका निभाना। यही कारण है कि देश की सर्वोच्च अदालत भी विवादित पुलिस मुठभेड़ों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बार-बार बल देती रही है। भरत तिवारी प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि वह निर्दोष थे या दोषी। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या बिहार में कानून की प्रक्रिया पर जनता का भरोसा पहले जैसा बना हुआ है? यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि न्यायिक प्रक्रिया के स्थान पर मुठभेड़ ही अंतिम रास्ता बनती जा रही है, तो लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होगी। कानून का शासन केवल अपराधियों को दंडित करने से नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने से मजबूत होता है।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है। विपक्ष स्वाभाविक रूप से इसे सरकार की जवाबदेही से जोड़ेगा। वहीं, सरकार के पास यह अवसर भी है कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराकर यह संदेश दे कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। यदि जांच निष्पक्ष होगी और दोषी पाये जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर बिना भेदभाव कार्रवाई होगी, तो जनता का विश्वास और मजबूत होगा, लेकिन यदि जांच की निष्पक्षता पर ही प्रश्न उठते रहे, तो यह विवाद सरकार की राजनीतिक छवि पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ सकता है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों, विशेषकर उपचुनावों के परिणामों को लेकर भी विभिन्न प्रकार के विश्लेषण सामने आ रहे हैं। कुछ विश्लेषक इन्हें जनता के बदलते राजनीतिक मूड से जोड़ रहे हैं। हालांकि किसी एक चुनाव परिणाम को सीधे इस प्रकरण से जोड़ना उचित नहीं होगा, क्योंकि चुनाव अनेक स्थानीय, सामाजिक और राजनीतिक कारणों से प्रभावित होते हैं। फिर भी इतना स्पष्ट है कि आज का मतदाता केवल विकास योजनाओं और घोषणाओं से संतुष्ट नहीं होता। वह न्याय, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और जवाबदेही को भी उतना ही महत्व देता है। लोकतंत्र में सरकारें केवल चुनाव जीतने से मजबूत नहीं होतीं बल्कि जनता के विश्वास से होती हैं। यह विश्वास तभी कायम रहता है जब न्याय केवल किया ही न जाय, बल्कि निष्पक्ष रूप से होता हुआ दिखाई भी दे। भरत तिवारी प्रकरण का अंतिम सत्य जो भी हो, बिहार के हित में यही आवश्यक है कि पूरे मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो, यदि ऐसा होता है तो न केवल सच्चाई सामने आयेगी, बल्कि कानून के शासन और सुशासन की अवधारणा भी मजबूत होगी, यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी अपेक्षा है और यही बिहार की शासन व्यवस्था के सामने वास्तविक कसौटी भी।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा

यह नारा केवल आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में ह्यक्रिप्स मिशनह्न भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज ह्यअगस्त क्रांति मैदानह्न के नाम से जाना जाता है, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में ह्यभारत छोड़ोह्न प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध ह्यकरो या मरोह्न के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने ह्यकांग्रेस रेडियोह्न के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दशार्ता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी।

भारत छोड़ो आंदोलन का महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया।

भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया।

आज जब हम ह्यभारत छोड़ो आंदोलन दिवसह्न मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है। भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। ह्यकरो या मरोह्न का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एलोरा में भगवान शिव का दिव्य धाम, 7000 मजदूरों की मेहनत से बना कैलाश धाम

हिंदू धर्म में भगवान शिव और मंदिरों का बहुत अधिक महत्व माना जाता है। माना जाता है कि भगवान ही इस सृष्टि का संचालन करते हैं। हिंदू मान्यता के मुताबिक भगवान हर जगह मौजूद हैं, लेकिन भारत की संस्कृति ऐसी है कि यहां पर जगह-जगह आपको अलग-अलग देवी-देवताओं के मंदिर मिल जाएंगे। सदियों से ऐसा चलता आ रहा है कि लोग अपनी श्रद्धा से मंदिरों का निर्माण करवाते हैं। इतिहास आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक 100 साल के भी ज्यादा समय में बने एक मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित एलोरा की गुफाओं में यह मंदिर है। इस

मंदिर को एलोरा के कैलाश मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। 276 फीट लंबे और 154 फीट चौड़े इस मंदिर की खासियत यह है कि इसको सिर्फ एक चट्टान काटकर बनाया गया है। वहीं इसकी ऊंचाई की बात करें, तो यह मंदिर किसी दो या तीन मंजिला इमारत के बराबर है।माना जाता है कि इस मंदिर के निर्माण में करीब 40 हजार टन वजनी पत्थरों को काटा गया था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसको हिमालय के कैलाश की तरह देने की कोशिश की गई है।माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण कराने वाले राजा का मानना था कि अगर कोई व्यक्ति हिमालय तक नहीं पहुंच पाए, तो वह यहां पर आकर अपने आराध्य भगवना शिव का दर्शन कर लें।मालखेड स्थित राष्ट्रकूट वंश के नरेश कृष्ण (प्रथम) (757-783 ई.) ने इस मंदिर का निर्माण कार्य शुरू करवाया था। इसको बनाने में 100 साल से अधिक का समय लगा था। करीब 7000 मजदूरों ने दिन-रात एक करके इस मंदिर के निर्माण में अपना योगदान दिया था। भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर से लोग इस भव्य मंदिर को देखने के लिए आते हैं। यह मंदिर में आज तक कभी पूजा की गई हो, इसका कभी प्रमाण नहीं मिलता है। यहां पर कोई पुजारी नहीं है। साल 1983 में यूनेस्को ने इस जगह को 'विश्व विरासत स्थल' घोषित किया है।

सेहत

सावन में बिना प्याज-लहसुन की सब्जी को इन टीप्स से बनाएं

कई लोग में सावन के महीने में प्याज और लहसुन का सेवन नहीं करते। क्योंकि इसको तामसिक भोजन माना जाता है। रोजाना घर में बनने वाले खाना इतना टेस्टी नहीं लगता है। वैसे यह महीना 30 दिनों का है। ऐसे में बिना लहसुन-प्याज का खाना सबको बोरिंग लगने लगता है। अब आपको परेशान होने की कोई जरुरत नहीं है। अब इन टिप्स की मदद से आप बिना प्याज-लहसुन के स्वादिष्ट सब्जी बना सकती हैं।

लहसुन-प्याज के बिना टेस्टी सब्जी कैसे बनाएं?

असल में कई लोगों को लगता है कि बिना प्याज और लहसुन के सब्जी स्वादिष्ट नहीं बन सकती है, लेकिन सही मसालों और सही समय पर तड़का लगाने से इसके बाद बदलाव किया जा सकता है। कुछ आसान ट्रिक्स की मदद से कोई भी सब्जी स्वादिष्ट बना सकते हैं।

तड़का कैसे लगाएं?

- सबसे पहले आप तेल या घी को अच्छे से गर्म कर लें।
- अब सब्जी में जीरा डालें और उसे थोड़ा लाल होने दें।
- फिर एक चुटकी हींग डालें, यह सब्जी का स्वाद बढ़ा सकता है।
- इन चीजों के अलावा चाहें तो थोड़ा सौंफ या राई भी डाल सकते हैं।
- अब अदरक और हरी मिर्च हल्की सुनहरी होने तक फ्राई करें।
- अब टमाटर डालकर मसालों के साथ अच्छे से पका लें।

कौन-से मसाले डालें?

बिना लहसुन-प्याज की सब्जी में स्वाद बढ़ाने के लिए आप सही मसालों का चयन कर सकती हैं। आप बस इन मसालों का जरुर एड करें-

- सब्जी में अधिक धनिया पाउडर डालें। कोशिश करें कि घर पर ही आपने पाउडर पीसा हुआ है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

समाचार सार

विद्यालय गईं दो नाबालिग छात्राएं लापता राधानगर पुलिस तलाश में जुटी

साहिबगंज/उधवा: राधानगर थाना क्षेत्र के जंगलपाड़ा गांव से विद्यालय गईं दो नाबालिग छात्राओं के लापता होने का मामला सामने आया है। दोनों छात्राएं शनिवार सुबह घर से विद्यालय जाने के लिए निकली थीं, लेकिन विद्यालय में छुट्टी होने के बाद भी देर शाम तक घर वापस नहीं लौटीं। इसके बाद परिजनों की चिंता बढ़ गई।परिजनों के अनुसार, विद्यालय से छुट्टी के बाद काफी देर तक दोनों छात्राओं के घर नहीं लौटने पर उनकी खोजबीन शुरू की गई। आसपास के इलाकों के साथ-साथ रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी जानकारी ली गई ।लेकिन छात्राओं का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद एक छात्रा के अभिभावक ने मामले की सूचना राधानगर थाना पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही राधानगर पुलिस सक्रिय हो गई। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज के नेतृत्व में एसआई पंकज दुबे सहित पुलिस बल विद्यालय और आसपास के क्षेत्रों में पहुंचा तथा शिक्षकों, छात्रों एवं स्थानीय लोगों से पूछताछ की।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। वहीं तकनीकी माध्यमों की मदद से भी दोनों छात्राओं की संभावित लोकेशन का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस छात्राओं के दोस्तों, शिक्षकों और गांव के लोगों से भी आवश्यक जानकारी जुटा रही है।इधर, छात्राओं के लापता होने के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। परिजन जल्द से जल्द दोनों छात्राओं की सुरक्षित बरामदगी की उम्मीद लगाए हुए हैं। इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि छात्राओं की बरामदगी को लेकर पुलिस द्वारा लगातार छानबीन की जा रही है और हर संभावित बिंदु पर जांच की जा रही है।

63 केवीए का ट्रांसफार्मर जलने से काठाली टोला में छाया अंधेरा

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड क्षेत्र के अमानत दियारा पंचायत अंतर्गत काठाली टोला गांव में बीते दिनों 63 केवीए का ट्रांसफार्मर जल जाने से विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। बिजली नहीं रहने के कारण ग्रामीणों को उमस भरी गर्मी में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, शाम होते ही गांव में अंधेरा छा जाने से स्कूली बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार 5 अगस्त को अचानक 63 केवीए का ट्रांसफार्मर जल गया ।जिसके बाद से गांव में बिजली संकट उत्पन्न हो गया है। लगातार कई दिनों से बिजली आपूर्ति बाधित रहने के कारण ग्रामीणों में नाराजगी भी देखी जा रही है। इधर उपभोक्ताओं की समस्या को देखते हुए शनिवार को अमानत दियारा पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कादिर शेख ने सहायक विद्युत अभियंता को लिखित आवेदन सौंपा। आवेदन के माध्यम से उन्होंने गांव की मौजूदा विद्युत समस्या से विभागीय अधिकारी को अवगत कराया।मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि गांव में लंबे समय से बिजली की समस्या बनी हुई है और वर्तमान में ट्रांसफार्मर जल जाने से स्थिति और गंभीर हो गई है। बिजली के अभाव में बच्चों की पढ़ाई के साथ-साथ ग्रामीणों के दैनिक कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।उन्होंने विद्युत विभाग से काठाली टोला में जल्द से जल्द 100 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और विद्युत आपूर्ति सामान्य हो सके।

तिनपहाड़-राजमहल खंड में समपार फाटक संख्या 49 को बंद कर नया अंडरपास खोला

साहिबगंज:पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक सुश्री गीतिका पांडेय के नेतृत्व में मालदा मंडल ने तिनपहाड़ और राजमहल के बीच समपार फाटक संख्या 49 को स्थायी रूप से बंद कर एक नए सीमित ऊँचाई वाले सबवे का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया है।नए अंडरपास के निर्माण और कमीशनिंग का कार्य पूरा होने के बाद 5 अगस्त, 2026 को समपार फाटक को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया। यह कार्य मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पूरा किया गया। यह वैकल्पिक सुविधा स्थानीय सड़क उपयोगकताओं को रेलवे ट्रैक पार करने के लिए बिना गेट पर प्रतीक्षा किए अधिक सुरक्षित, मौसमरोधी और विश्वसनीय मार्ग उपलब्ध कराती है।समपार फाटक 49 को स्थायी रूप से हटाए जाने से रेलवे सुरक्षा और परिचालन दक्षता में महत्वपूर्ण सुधार होगा। सतह पर रेलवे ट्रैक और सड़क के प्रत्यक्ष संपर्क को समाप्त करने से ट्रेनों के परिचालन में कम व्यवधान आएगा, वहीं पैदल यात्रियों और वाहनों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। इस परियोजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शिबराम माझि ने कहा, ₹इस अंडरपास का सफल उद्घाटन और समपार फाटक को बंद किया जाना हमारी निरंतर सुरक्षा मुहिम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम स्थानीय समुदाय के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।जिसने हमें अधिक सुरक्षित और कुशल परिवहन नेटवर्क के निर्माण में सहायता की।

खेत में धान रोपाई कर रही महिला और नाबालिग बेटी से छेड़खानी, मारपीट का आरोप, थाना में शिकायत

कोडरमा: डोमचाँच थाना क्षेत्र के विधिन पिन्डा गांव में शनिवार शाम खेत में धान रोपाई कर रही एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी के साथ छेड़खानी, गाली. गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने तीन लोगों के खिलाफ डोमचाँच थाना में लिखित शिकायत दी है। पीड़िता पुष्पा देवी, उम्र 44 वर्ष, पति संजय कुमार मेहता, निवासी विधिन पिन्डा ने दिए गए आवेदन में बताया कि दिनांक 08.08.2026 को शाम करीब 4 बजे वह अपनी 15 वर्षीय नाबालिग बेटी नैना कुमारी और गोतनी कविता देवी, उम्र 41 वर्ष के साथ अपने हिस्से के खेत में धान की रोपाई कर रही थी। इसी दौरान गांव के ही 1. जितेन्द्र मेहता, उम्र 35 वर्ष, 2. सुभाष मेहता, उम्र 32 वर्ष, पिता सदानन्द मेहता और 3. राकेश कुमार मेहता, उम्र 19 वर्ष, पिता राजेश मेहता वहां पहुंचे। आरोप है कि तीनों एकजुट होकर गाली-गलौज करते हुए खेत में पहुंचे और महिलाओं के साथ मारपीट तथा छेड़छाड़ शुरू कर दी। शिकायत में कहा गया है कि आरोपियों ने महिला का ब्लाउज खींचकर फाड़ दिया और नाबालिग बेटी के साथ पकड़-धकड़ भी की। डर के कारण तीनों महिलाएं खेत में ही अर्धनग्न अवस्था में एक-दूसरे के शरीर को साड़ी से ढककर बैठ गईं और चिल्लाने लगीं। शोर सुनकर आसपास के लोग दौड़कर आए तो आरोपी मौके से फरार हो गए। पुष्पा देवी ने थाना प्रभारी से आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई कर विधिवत मामला दर्ज करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आवेदन के आधार पर जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ज्वेलरी लूट कांड में इस्तेमाल हथियार बरामद, एक आरोपी को गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज:साहिबगंज पुलिस को अपराध नियंत्रण और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने कल्याणचक ज्वेलरी लूट कांड में इस्तेमाल किए गए हथियारों को बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।जिसकी जानकारी रविवार को सादर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुशील कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से देते हुए बताया कि राजमहल थाना कांड संख्या-174/25 4/6/2025में रिमांड पर लाए गए गिरफ्तार अभियुक्त विष्णु मंडल पिता-युगल मंडल उर्फ मंगरू मंडल, निवासी-चानन,थाना-जिरवाबाड़ी से पूछताछ की गई।पूछताछ के दौरान विष्णु मंडल ने बताया कि पूर्व में हुए कल्याणचक ज्वेलरी लूट कांड में इस्तेमाल देशी कट्टे और गोलियां उसने जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के शांतिनगर निवासी सुबोध मंडल को दी थीं।इस सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साहिबगंज के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया।जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी एवं राजमहल थाना प्रभारी की संयुक्त टीम ने 8 अगस्त 2026 को त्वरित कार्रवाई करते हुए सुबोध मंडल को धर दबोचा।गिरफ्तार सुबोध मंडल 23 वर्ष पिता सीताराम मंडल,निवासी-शांतिनगर लोहंडा,थाना-जिरवाबाड़ी की निशानदेही पर पुलिस ने 2 अवैध देशी कट्टा और 2 जिंदा गोलियां बरामद की हैं।पुलिस ने जब्ती सूची बनाकर हथियारों को जब्त कर लिया है। इस मामले में जिरवाबाड़ी थाना कांड संख्या-146/ 26,दिनांक 09/08/2026, धारा- 25(1-बी)ए ,26/35 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।मामले में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।छापेमारी टीम में मुख्य रूप से थाना प्रभारी जिरवाबाड़ी शशि सिंह,थाना प्रभारी राजमहल थाना हसनैन अंसारी,अवर निरीक्षक राजमहल ओम प्रकाश चौहान,एएसआई कार्तिक उरांव, जिरवाबाड़ी,एस आई शिवानन्द प्रसाद राजमहल सहित अन्य शामिल थे।

बिंदुधाम मंदिर परिसर में रक्तदान शिविर का झामुमो युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष संजय ने किया शुभारम्भ

संवाददाता

साहिबगंज/पतना:बिंदुधाम मंदिर प्रागण में रविवार को बिंदुधाम प्रबंध समिति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य सह झामुमो युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी और बरहरवा अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बरहरवा द्वारा किया गया उद्घाटन के पश्चात संजय गोस्वामी ने रक्त दान के लिए सभी युवाओं और सभी रक्त दाताओं के रक्त देने के लिए अपने वक्तव्यों के द्वारा प्रेरित किय सभी मुख्य अतिथियों ने बारी बारी से उपस्थित लोगों को सम्बोधित किया।इस दौरान मंदिर के कार्यकारी अध्यक्ष शक्तिनाथ अमन ने कहा कि रक्दान शिविर मुख्य उदेश्य लोगों को रक्त के अभाव से बचाना और नया जीवन प्रदान करना है।रक्दान दुनिया का सबसे बड़ा महादान माना जाता है क्योंकि इससे मानव जीवन की जीवनरेखा तय होती है जिससे सामाजिक उत्थान को नई प्रेरणा मिलती है,रक्त के अभाव में किसी भी इंसान का जीवन न जाये इसके लिए एक छोटा सा प्रयास है।वहीं रक्दान करने पहुँचे रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार ने कहा कि मानव जीवन में स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है,स्वास्थ्य है तो जीवन है,प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन रक्तदान करना चाहिए ताकि उस रक्त से किसी का जीवन बच सके,जो इंसान रक्तदान करता है माना गया है कि उसके शरीर में पुनः नए रक्त का निर्माण होने लगता है जिससे रक्त का शुध्दिकरण भी हो जाता है।उन्होंने लोगो से अपील करते हुए कहा कि बढ़ चढ़कर रक्तदान करें और मानव जीवन के कल्याण में अपनी भागीदारी पेश करें।मौके पर शक्ति नाथ अमन,महेश कुमार,दिनेश कर्मकार,भरत,ऋषि गुप्ता,बलराम साह,नीलकंठ साह सहित दर्जनों स्थानीय लोग उपस्थित थे।

डूरंड कप फुटबॉल मैच देखने के लिए जिले से 50 खिलाड़ी रांची रवाना

संवाददाता

साहिबगंज:खेल कूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखंड रांची के निदेश के आलोक में जिला प्रशासन साहिबगंज जिला खेल कार्यालय द्वारा जिले के सिद्धो कान्हु स्टेडियम में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स एवं नवसृजित बालक फुटबॉल क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के कुल 50 खिलाड़ी खेल प्रशिक्षक योगेश यादव के साथ रांची के लिए रवाना हुए। 10 अगस्त को संध्या 7:00 बजे से बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित होने वाले एस सी दिल्ली बनाम इंडियन एयर फॉर्स के बीच मैच देखेंगे।इसको लेकर जिले के खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। खिलाड़ियों ने खेल विभाग एवं झारखंड सरकार का आभार जताया।

क्रिकेट खेल कर दिया स्वच्छता अपनाने का संदेश

संवाददाता

साहिबगंज: नगर परिषद की ओर से रविवार को स्वच्छता अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत सिदो कान्हू स्टेडियम में नगर परिषद एकादश बनाम मीडिया एकादश के बीच फ्रेंडली क्रिकेट मैच खेला गया। इसका उद्घाटन नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान व कार्यपालक पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व बल्लेबाजी कर किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मीडिया एकादश की टीम ने 12 ओवर में 67 रन बनाया। जवाब में अंतिम बॉल तक चले रोमांचक मुकाबले में नगर परिषद की टीम 68 रन बनाकर विजय हुई। विजेता नगर परिषद एकादश व उपविजेता मीडिया एकादश को अध्यक्ष व कार्यपालक पदाधिकारी ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। अध्यक्ष ने शहरवासियों से कूड़ा-कचरा को घर-घर उठाव करने वाले वाहन में देने, इधर-उधर कूड़ा-कचड़ा न फेंकने, सफाई अपनाने व बीमारी को साहिबगंज से दूर भगाने की अपील की। मौके पर सिटी मैनेजर रवि कुमार, वार्ड पार्षद चमरू उरांव, पार्वती उरांव, दीपा देवी, हिमांशु, अकबर, मनी प्रकाश, सोनू हरि, सोनू मंडल सहित नगर परिषद कर्मी व अन्य मौजूद थे।

मंडरो हाट परिसर में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक

संवाददाता

साहिबगंज:विश्व आदिवासी दिवस पर रविवार को मंडरो हाट परिसर में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रखंड अध्यक्ष रोशन मुर्मू ने की।बैठक में संगठन को मजबूत करने,सदस्यता अभियान को गति देने तथा मजदूर एवं गरीब वर्ग के लोगों को संगठित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।इस दौरान प्रखंड कमेटी की ओर से जिला अध्यक्ष मनोज सोरेन का माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मनोज सोरेन ने कहा कि मजदूरों,गरीबों एवं जरूरतमंद लोगों को एकजुट कर उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना संगठन की प्राथमिकता है।उन्होंने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी समाज के लिए अपनी संस्कृति,परंपरा और अधिकारों के संरक्षण का संकल्प लेने का महत्वपूर्ण अवसर है।उन्होंने आदिवासी समाज से संगठित होकर अपने जल जंगल और जमीन की रक्षा के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों की रक्षा के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होकर आवाज बुलंद करनी होगी।बैठक में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक मजदूरों एवं गरीब परिवारों को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया।बैठक मे मोहम्मद इमाम विश्वास,राकेश महतो, आदर्श कुमार,राजू सोरेन,ताला हांसदा,जय कुमार निर्जन मुर्मू,मंगल मुर्मू,राजेंद्र मुर्मू,मनका मुर्मू,जोहन मरांडी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पतंग निकालते समय 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आने से 15 वर्षीय किशोर की मौत

संवाददाता

साहिबगंज:राजमहल थाना क्षेत्र के मटियाल चहरबन्ना,वार्ड नंबर 12 में रविवार को एक दर्दनाक हादसे में 15 वर्षीय किशोर की जान चली गई।मृतक की पहचान मटियाल निवासी मुख्तार शेख के पुत्र समीउल शेख के रूप में हुई है।घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।?पतंग निकालने के दौरान हुआ हादसा प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,समीउल शेख अपने घर के आसपास दोस्तों के साथ खेल रहा था।इसी दौरान उसकी पतंग पास के ही एक पेड़ में जाकर फंस गई।पतंग को बाहर निकालने के लिए समीउल पेड़ पर चढ़ गया।पेड़ के बिल्कुल करीब से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट बिजली के तार से उसका शरीर स्पर्श हो गया।तेज करंट लगते ही वह बुरी तरह झुलस गया और अनियंत्रित होकर पेड़ से नीचे आ गिरा।?अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कियाहादसे के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय ग्रामीण आनन-फानन में समीउल को राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले गए।हालांकि,अस्पताल के डॉक्टर उदय टुडू ने प्राथमिक जांच के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया।?पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजाघटना की जानकारी मिलते ही राजमहल थाना के एसआई एसके तिर्की पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक : हादसे की खबर मिलते ही नगर पंचायत अध्यक्ष मोहम्मद केताबुद्दीन शेख और स्थानीय वार्ड पार्षद राजू सरकार घटनास्थल पर पहुंचे।उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर इस दुख की घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया।ग्रामीणों का कहना है कि आवासीय क्षेत्र और पेड़ों के इतने करीब से 11 हजार वोल्ट की नंगी तारें गुजर रही हैं,जो हर वक्त किसी बड़े हादसे को न्योता देती हैं।स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग से तारों की तुरंत जांच कराने, इंसुलेटेड केबल लगाने और इलाके में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

'एमटीवी हसल 5' की इनामी राशि बढ़कर हुई 1 करोड़ रुपए

- बादशाह बोले- 'यह हिप-हॉप कल्चर की तरक्की का सबूत'

म्यूजिक रियलिटी शो 'एमटीवी हसल' पांचवें सीजन के साथ वापसी करने जा रहा है। इस बार शो को पहले से ज्यादा बड़ा बनाने की तैयारी है। इस बार विजेता राशि को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

शो के जज बादशाह का कहना है कि यह सिर्फ इनाम की रकम में बढ़ोतरी नहीं है, बल्कि भारतीय हिप-हॉप कल्चर की बढ़ती ताकत और कलाकारों पर बढ़ते भरोसे को दिखाता है। 'हसल' हमेशा से ऐसे कलाकारों को खोजने का मंच रहा है, जिनके पास कहने के लिए अलग कहानी होती है और जो अपनी कला के जरिए पहचान बनाना चाहते हैं। बादशाह ने नए सीजन के बारे में बात करते हुए कहा, ''हसल हमेशा से ऐसे कलाकारों को सामने लाने के लिए रहा है, जिनके पास कुछ वास्तविक कहने के लिए है। हर सीजन में हमने देश के अलग-अलग हिस्सों से शानदार टैलेंट देखा है, जिन्होंने भारतीय हिप-हॉप में अपनी एक जगह बनाई है।'' उन्होंने आगे कहा, 'इस बार विजेता को मिलने वाली राशि बढ़ाकर 1 करोड़ रुपए कर दी गई है। यह राशि बताती है कि हिप-हॉप संस्कृति कितनी आगे बढ़ चुकी है। यह इनाम उन कलाकारों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है, जो भारतीय हिप-हॉप के भविष्य को आकार दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस सीजन की थीम 'अपना होमग्राउंड' है, जो हर कलाकार की शुरुआत, उसकी जगह और उसकी कहानी को सम्मान देती है। 'एमटीवी हसल 5' की थीम 'अपना होमग्राउंड' के जरिए उन जगहों और अनुभवों को दिखाने की कोशिश की जाएगी.

सलमान खान से
खास कनेक्शन काम नहीं आया

कई बार रिजेक्ट हुई

आज कियारा आडवाणी बॉलीवुड की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। बड़े बैनर, करोड़ों की फिल्में और देशभर में करोड़ों प्रशंसक उनके नाम हैं। हालांकि, फिल्म इंडस्ट्री में सलमान खान से खास कनेक्शन होने के बावजूद उनके लिए सफलता की राह आसान नहीं रही। पहली ही फिल्म फ्लॉप हो गई, महीनों तक काम नहीं मिला, 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी सुपरहिट फिल्म के बाद भी उन्हें ऑडिशन देने पड़े और कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा। यही वजह है कि आज भी कई लोग 'कबीर सिंह' को उनकी पहली फिल्म समझते हैं। फैशन इंडस्ट्री में भी उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। आज की सक्सेस स्टोरी में जानिए कियारा आडवाणी की निजी जिंदगी और करियर से जुड़ी कुछ खास बातें।

पहली फिल्म आई और सपना टूटता हुआ नजर आया

2014 में कबीर सदानंद की फिल्म 'फगली' से कियारा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में मोहित मारवाह, विजय राज और जिमी शेरगिल भी थे। रिलीज से पहले फिल्म से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह बुरी तरह फ्लॉप रही। पहली फिल्म की असफलता का सबसे बड़ा असर कियारा के करियर पर पड़ा। जहां कई नए कलाकारों को पहली फिल्म के बाद ऑफर मिलने लगते हैं, वहीं कियारा का फोन बजना बंद हो गया।

'एमएस धोनी' ब्लॉकबस्टर हुई, लेकिन कियारा के लिए कुछ नहीं बदला

30 सितंबर 2016 को रिलीज हुई 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' उस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल रही। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत ने महेंद्र सिंह धोनी और कियारा आडवाणी ने साक्षी धोनी का किरदार निभाया।

फिल्म की सफलता के बाद लोगों को लगा कि उनका संघर्ष खत्म हो गया, लेकिन ऐसा नहीं था। कियारा ने बताया कि फिल्म हिट होने के बावजूद उन्हें पहले की तरह ऑडिशन देने पड़ते थे और कई बार स्क्रीन टेस्ट के बाद भी रोल नहीं मिलता था। उन्होंने कहा था, 'लोगों को सिर्फ आपकी रिलीज हुई फिल्में दिखती हैं, लेकिन उनके पीछे कितने ऑडिशन और कितने रिजेक्शन होते हैं, यह कोई नहीं देखता। '

फिर आई 'कबीर सिंह' और रातोंरात बदल गई जिंदगी

2019 में शाहिद कपूर के साथ रिलीज हुई 'कबीर सिंह' कियारा के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बनी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 370 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार किया और साल की सबसे बड़ी हिंदी फिल्मों में शामिल रही। प्रीति के शांत और संवेदनशील किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इसके बाद उनके पास फिल्मों की भरमार हो गई और निर्माता-निर्देशक खुद ऑफर देने लगे।

एक के बाद एक हिट फिल्मों ने बना दिया बॉक्स ऑफिस क्वीन

'कबीर सिंह' के बाद कियारा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 'गुड न्यूज', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2' और 'सत्यप्रेम की कथा' में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता साबित की। खासकर 'शेरशाह' में डिंपल चीमा के किरदार को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। यहीं से वह सिर्फ स्टार नहीं, बल्कि सशक्त अभिनेत्री के रूप में स्थापित हो गईं।

शादी के बाद भी करियर नहीं रुका, बल्कि और मजबूत हुआ

7 फरवरी 2023 को कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की। शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं और यह साल की चर्चित सेलिब्रिटी शादियों में शामिल रही। शादी के बाद भी उन्होंने बड़े बैनर्स की फिल्मों में काम जारी रखा। 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई। कई समीक्षकों ने इसे उनके करियर की सबसे परिपक्व परफॉर्मेंस में से एक माना।

मां बनने के बाद अब सबसे बड़ी वापसी की तैयारी

2025 में कियारा और सिद्धार्थ ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। इसके बाद कियारा ने कुछ समय के लिए काम से ब्रेक लिया। अब वह बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। उनकी चर्चित आगामी फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' है, जिसमें वह सुपरस्टार यश के साथ नजर आएंगी। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि यह उनके करियर की सबसे बड़ी पैन-इंडिया रिलीज में से एक हो सकती है।

टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' पर ट्रोल हुई

हालांकि फिल्म के गाने 'तबाही' में यश और कियारा आडवाणी के इंटीमेट सीन्स को लेकर सोशल मीडिया पर कियारा को ट्रोल किया जा रहा है। कई यूजर्स ने शादी और मां बनने के बाद उनके बोल्ड सीन करने पर सवाल उठाए। वहीं कई लोगों ने इसे महिला कलाकारों के प्रति डबल स्टैंडर्ड बताया, क्योंकि यश भी शादीशुदा हैं और दो बच्चों के पिता हैं।

सलमान खान से खास कनेक्शन ने नहीं दिलाया काम

अक्सर माना जाता है कि सलमान खान के परिवार से रिश्तों की वजह से कियारा को फिल्मों में आसानी से एंट्री मिली, लेकिन असलियत अलग है। दोनों परिवारों के पुराने संबंध हैं, जिसे सलमान और कियारा स्वीकार कर चुके हैं।

कियारा ने राज शमानी के पॉडकास्ट में कहा था कि उन्हें कभी सिर्फ पहचान की वजह से काम नहीं मिला। हर फिल्म के लिए ऑडिशन देना पड़ा। दरअसल, कियारा की मां जेनेवीव जाफरी और सलमान खान बचपन के दोस्त रहे हैं। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से अच्छे संबंध हैं। कियारा की मौसी शाहीन जाफरी भी एक समय सलमान खान की करीबी दोस्त और कथित गर्लफ्रेंड रह चुकी हैं। यही वजह है कि सलमान, कियारा को बचपन से जानते हैं।

कियारा बोलीं- लोग ईमानदारी से किए गए काम से जुड़ेंगे

ट्रोलिंग के बीच कियारा आडवाणी ने सीधे विवाद पर प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन फिल्म और अपने किरदार का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि लोग ईमानदारी से किए गए काम से जुड़ते हैं।

जिमी शेरगिल ने कहा-
मेरा बेटा वीर आर्मी में जाना चाहे तो खुशी होगी, मैं उसे रोकूंगा नहीं

एक्टर जिमी शेरगिल अपनी नई सीरीज ऑपरेशन 'सफेद सागर' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि देश के जवानों की बहादुरी की ये कहानियां युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है। एक्टर ने कहा- खुद का बेटा वीर भी अगर सेना में जाना चाहे तो उन्हें खुशी ही होगी। कभी असल जिंदगी में सेना में जाने का ख्वाब देखने वाले ऐक्टर जिमी शेरगिल अपनी नई सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर में कारगिल युद्ध के हीरो विंग कमांडर बीएस धनोवा की भूमिका निभा रहे हैं। जिमी का मानना है कि देश के जवानों की बहादुरी की ये कहानियां युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है, ताकि उन्हें अपने देश और जवानों पर गर्व हो और वो सैन्य सेवाओं को अपने करियर के तौर पर चुनें। यहां तक कि अगर उनका खुद का बेटा वीर भी अगर सेना में जाना चाहे तो उन्हें खुशी ही होगी। बकौल जिमी शेरगिल, 'ऑपरेशन सफेद सागर देश के जवानों की बहादुरी की सच्ची कहानी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़नी बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो एक वक्त पर जाकर ये बहादुरी खत्म हो जाएगी। जिस तरह की बहादुरी हमारे जवान, वो चाहे एयरफोर्स हो, मिलिट्री हो, नेवी हो, दिखाते हैं, उनके किस्से युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है। ऑपरेशन सफेद सागर देश के जवानों की बहादुरी की सच्ची कहानी है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़नी बहुत जरूरी है। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो एक वक्त पर जाकर ये बहादुरी खत्म हो जाएगी। जिस तरह की बहादुरी हमारे जवान, वो चाहे एयरफोर्स हो, मिलिट्री हो, नेवी हो, दिखाते हैं, उनके किस्से युवा पीढ़ी तक पहुंचना बहुत जरूरी है।

आरती सिंह ने पति के साथ मनाया पहली मुलाकात का जश्न, लिखा-
तुम मेरी ब्लेसिंग हो

टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री और कमेडियन कृष्णा अभिषेक की बहन आरती सिंह ने सोशल मीडिया के जरिए बताया कि तीन साल पहले गुरुवार के दिन ही उनकी मुलाकात अपने पति दीपक चौहान से हुई थी। आरती सिंह ने इंस्टाग्राम पर पति दीपक चौहान के साथ तस्वीरें पोस्ट कीं, जहां उन्हें कैमरे के लिए अलग-अलग पोज देते देखा जा सकता था। दोनों ने पारंपरिक कपड़ों में एक-दूसरे को कॉम्प्लिमेंट किया। इस पोस्ट के जरिए आरती ने बताया कि कैसे इतने सालों में दीपक के लिए उनका प्यार और मजबूत होता गया। उन्होंने लिखा, 'आज ठीक तीन साल हो गए जब हम पहली बार मिले थे।' अपने सफर को याद करते हुए आरती ने बताया कि दीपक उनकी जिंदगी में शांति के कुछ ऐसे पल लेकर आए, जिसका वे सालों से इंतजार कर रही थीं। अभिनेत्री ने दीपक के साथ बनाई अनगिनत यादों के जरिए उन्हें अहमियत देने के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने अपने मन की बात जाहिर करते हुए लिखा, 'फर्क बस इतना है कि अब मैं तुमसे और भी ज्यादा प्यार करती हूं। अब तुम भले ही देर से आए हो लेकिन इन तीन सालों में तुमने मुझे जो सुकून और शांति दी है, मैं उसे सालों से ढूंढ रही थी। मेरे पास ढेर सारी यादें हैं, जहां तुमने मुझे हमेशा खास महसूस करवाया, जिसके लिए तुम्हें तहे दिल से शुक्रिया। ' अभिनेत्री ने बताया कि भले ही दोनों के रिश्तों में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन वे एक-दूसरे के लिए हमेशा ईमानदार रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'हमारा एक-दूसरे के प्रति ईमानदार रहे, इसलिए हम असली हैं, नकली नहीं। तुमसे बहुत प्यार करती हूं। इस पोस्ट में लगाया गया गाना वही है जिस पर मैंने हमेशा विश्वास किया है। जो मेरे लिए बना है, तुम मेरी ब्लेसिंग हो। ' आरती सिंह और दीपक चौहान ने 25 अप्रैल 2024 को मुंबई के इस्कॉन मंदिर में शादी की थी। वहीं, दोनों ने एक साल पूरे होने पर उत्तराखंड के पवित्र त्रियुगीनारायण मंदिर में दोबारा शादी की। दोनों ने फिर प्रतिज्ञाएं दोहराकर अपनी शादी की पहली सालगिरह मनाई थी।

तब्बू को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत

आपत्तिजनक ऑनलाइन कंटेंट हटाने का निर्देश देगा कोर्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू की पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा से जुड़ी याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने अहम रुख अपनाया है। अदालत ने गुरुवार को कहा कि वह अभिनेत्री के नाम से जुड़े आपत्तिजनक और अश्लील ऑनलाइन कंटेंट को हटाने के लिए अंतरिम आदेश जारी करेगी। अदालत ने माना कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर किसी सार्वजनिक व्यक्ति की पहचान का गलत इस्तेमाल गंभीर विषय है और ऐसे मामलों से निपटने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने की जरूरत भी हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 7 दिसंबर को होगी, लेकिन उससे पहले हाईकोर्ट विस्तृत अंतरिम आदेश जारी करेगा। गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस ज्योति सिंह की एकल पीठ के समक्ष तब्बू की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई। अभिनेत्री ने अदालत से अपनी पर्सनैलिटी और पब्लिसिटी राइट्स की सुरक्षा की मांग की है। उनका कहना है कि इंटरनेट और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उनके नाम, तस्वीर, पहचान और व्यक्तित्व का बिना अनुमति इस्तेमाल किया जा रहा है। उनकी पहचान का इस्तेमाल कर एआई से तैयार कंटेंट और डिजिटल इम्पर्सोनेशन के जरिए भी उनकी छवि को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

डीपीएलः सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को 4 विकेट से हराया

नई दिल्ली : युगल सैनी की तूफानी अर्धशतकीय पारी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 के 19वें मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को चार विकेट से रोमांचक शिकस्त दी। अरुण जेटली स्टेडियम में रविवार रात खेले गए मुकाबले में 221 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर दो गेंद शेष रहते जीत हासिल की। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स के गेंदबाज साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के बल्लेबाजों को रोकने में नाकाम रहे। साउथ दिल्ली ने 20 ओवर में छह विकेट पर 220 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। विकेटकीपर

बल्लेबाज तेजस्वी दहिया ने 31 गेंदों में आठ छक्कों और एक चौके की मदद से 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। कप्तान आयुष बडोनी ने 25 गेंदों में 44 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान ने 23 गेंदों में 38 रन की पारी खेलकर टीम को मजबूत शुरूआत दी। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की ओर से मनी ग्रेवाल सबसे किफायती गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट लिए। गवनीश खुराना ने भी दो विकेट हासिल किए, हालांकि उन्होंने 40 रन खर्च किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स को शुरूआती ओवर में ही झटका लगा और कप्तान यश ढुल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद युगल सैनी ने पारी को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने 45 गेंदों में नौ चौकों और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से 91 रन की शानदार पारी खेली। सैनी ने केशव डाबास के साथ चौथे विकेट के लिए 96 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। डाबास ने 27 गेंदों में 39 रन बनाए। इसके बाद सैनी ने वंश बेदी के साथ भी 48 रन की तेज साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। वंश बेदी 13 गेंदों में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज की ओर से अंशुमान हुड्डा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 33 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। हालांकि, सेंट्रल दिल्ली किंग्स के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में धैर्य बनाए रखा और 19.4 ओवर में छह विकेट पर 222 रन बनाकर चार विकेट से रोमांचक जीत दर्ज कर ली।

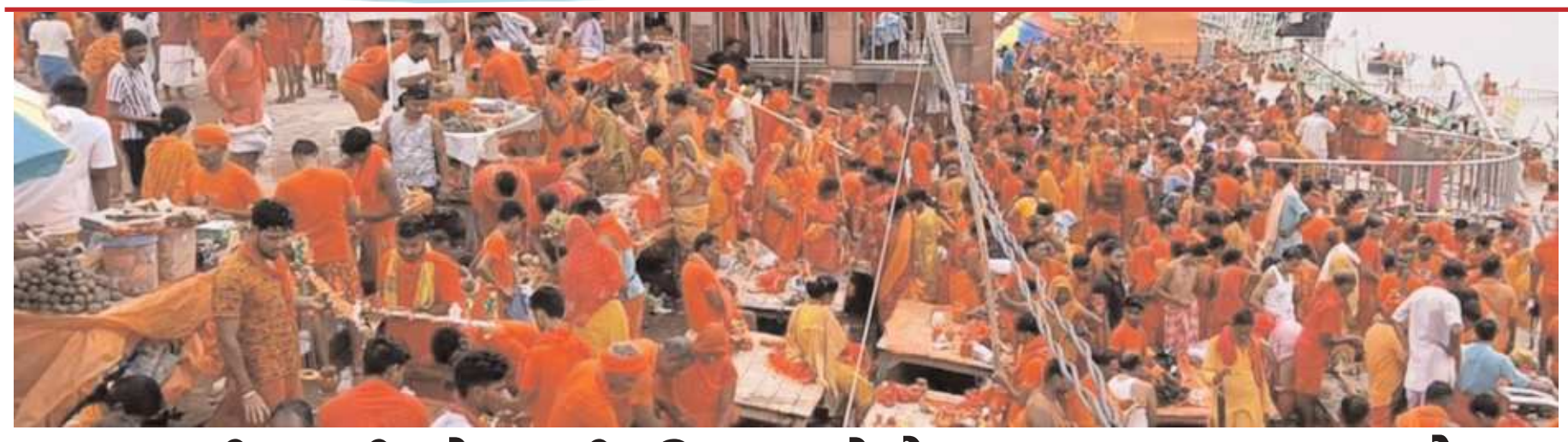

सावन की दूसरी सोमवारी, शिवालयों में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

एजेंसी

भागलपुर : पवित्र श्रावण मास की दूसरी सोमवारी को लेकर आज पूरे क्षेत्र में आस्था और भक्ति का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह के तड़के से ही सभी प्रमुख शिवालयों और मंदिर परिसरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटने लगी। चारों तरफ का माहौल 'हर-हर महादेव', 'बम-बम भोले' और 'ॐ नमः शिवाय' के गूंजते जयकारों से पूरी तरह शिवमय हो गया। सोमवारी व्रत को लेकर श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं और युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। पवित्र गंगा नदी और अन्य घाटों पर सुबह से ही स्नान करने वालों की भारी भीड़ रही। गंगा स्नान के बाद हाथ में जल, बेलपत्र, धतूरा, फूल और नैवेद्य लिए भक्त मंदिरों की ओर चल पड़े। शहर के तमाम शिवालयों में सुरक्षा और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए बल्लियां लगाकर बैरिकेडिंग की गई थी, जहां भक्तों को लंबी-लंबी कतारों में अपनी बारी का इंतजार करते देखा गया।

क्षेत्र के सभी ऐतिहासिक और पौराणिक मान्यता प्राप्त मंदिरों में भक्तों ने कतारबद्ध होकर शिवलिंग पर जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक और घृताभिषेक किया। ऐतिहासिक बूढ़ानाथ मंदिर में तड़के से ही हजारों भक्तों की कतार लग गई। बाबा बूढ़ानाथ का आकर्षक श्रृंगार किया गया और भव्य आरती उतारी गई। शिवशक्ति मंदिर में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर प्रबंधन द्वारा जलार्पण के लिए विशेष मुस्तैदी दिखाई गई। बाबा भूतनाथ के दरबार में अघोर रूप और भस्म आरती को देखने तथा जलाभिषेक करने के लिए युवाओं की भारी भीड़ उमड़ी। भक्तों ने मनसकामना नाथ मंदिर में मत्था टेककर अपनी मन्नतें मांगीं। माना जाता है कि सावन की सोमवारी को यहाँ जल चढ़ाने से हर इच्छा पूरी होती है। इसके अलावा मोहल्लों और कॉलोनियों में स्थित छोटे-बड़े सभी शिव मंदिरों में सुबह से दोपहर तक लगातार जलाभिषेक का दौर चलता रहा। शाम को सभी मंदिरों में बाबा भोलेनाथ का विशेष महाश्रृंगार किया गया, जिसे देखने के लिए दर्शनार्थियों की भीड़ एक बार फिर उमड़ पड़ी। भीड़ को नियंत्रित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस बल की तैनाती सभी प्रमुख मोर्चों पर रही। सादे लिबास में भी महिला और पुरुष पुलिसकर्मी मुस्तैद दिखे। विभिन्न सामाजिक संगठनों और पूजा समितियों द्वारा कांवरियों और आम भक्तों के लिए नींबू-पानी, शर्बत और चिकित्सा शिविरों की व्यवस्था की गई थी, जिससे भीषण गर्मी और उमस के बीच श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली।

तमिलनाडु विधानसभा में राज्य के सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाज्थू' के गायन का प्रस्ताव पारित

एजेंसी

चेन्नई : तमिलनाडु विधानसभा में आज राज्य के सरकारी कार्यक्रमों की शुरूआत में राज्य गीत 'तमिल थाई वाज्थू' के गायन को अनिवार्य करने संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया। इसे मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पेश किया। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि उनकी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार तमिलनाडु के भाषाई और सांस्कृतिक अधिकारों से कोई समझौता नहीं करेगी। विजय ने अपने संबोधन में कहा, "तमिल केवल एक भाषा नहीं है, बल्कि यह हमारा जीवन और हमारी भावनाएं हैं। मातृभाषा उतनी ही पवित्र है, जितनी अपनी मां।" प्रस्ताव के अनुसार, तमिलनाडु में शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की शुरूआत अब राज्य गीत से की जाएगी। मुख्यमंत्री विजय ने तमिल भाषा की महानता और भारतीय संघीय व्यवस्था में 'तमिल थाई वाज्थू' के महत्व को रेखांकित करते हुए बेहद भावुक भाषण दिया। उन्होंने सदन में मौजूद सभी सदस्यों से पार्टी मतभेदों से ऊपर उठकर इस प्रस्ताव का समर्थन करने की अपील की। विजय ने कहा, "दुनिया की सभी भाषाएं संचार का माध्यम हैं। हमारे लिए तमिल केवल बोलने की भाषा या ध्वनि नहीं है। यह हमारी जान, भावना और पहचान है। उन्होंने कहा कि 1891 में लेखक मनोन्मणियम सुंदरनार के नाटक के पायिरम (प्रस्तावना) में शामिल तमिल थाई वाज्थू भारत के माथे पर तिलक की तरह तमिलनाडु को गौरव प्रदान करता है। उन्होंने याद दिलाया कि तमिलनाडु में 23 नवंबर 1970 से सरकारी समारोहों में तमिल थाई वाज्थू को प्रमुखता से गाया जाता रहा है और 17 दिसंबर 2021 को इसे आधिकारिक रूप से राज्य गीत के रूप में मान्यता दी गई। उल्लेखनीय है कि यह कदम केंद्रीय गृह मंत्रालय की हालिया सलाह के बाद उठाया गया है।

इस सलाह में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 28 जनवरी के उसके निर्देश का 'सख्ती से पालन' करने को कहा गया था। इस निर्देश में आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के गायन की बात कही गई थी।

प्रदर्शनकारी छात्रों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली : नीट प्रश्नपत्र मामले में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कथित बल प्रयोग और पुलिस कार्रवाई को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के संसद में बयान की मांग करते हुए विपक्षी सांसदों ने सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान सांसदों ने नारेबाजी की और हाथों में बड़ा पोस्टर लेकर अमित शाह से जवाब देने की मांग की। प्रदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, सांसद धर्मेंद्र यादव समेत विपक्ष के कई नेता शामिल हुए। प्रदर्शन कर रहे सांसदों के हाथों में मौजूद पोस्टरों पर लिखा था, 'अमित शाह जवाब दो।' संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका गांधी ने कहा कि जब तक गृहमंत्री शाह संसद में बयान नहीं देंगे, तब तक गतिरोध जारी रहेगा। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष का रुख इस मुद्दे पर बिल्कुल स्पष्ट है। सबसे पहले गृहमंत्री को संसद में आकर दिल्ली में छात्रों के साथ हुई कथित ज्यादती पर बयान देना चाहिए। इस मुद्दे पर गृह मंत्री के बयान के बिना विपक्ष आगे की कार्यवाही की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक, परिसीमन विधेयक और विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक से जुड़े मुद्दों पर भी विपक्ष का रुख स्पष्ट है, लेकिन छात्रों के मुद्दे पर गृहमंत्री का संसद में बयान उनकी प्रमुख मांग है।

कांग्रेस सांसद क्रिस्टोफर तिलक ने आरोप लगाया कि पिछले तीन सप्ताह से प्रधानमंत्री व गृहमंत्री सदन में नहीं आए। इससे संसद के प्रति उनकी जिम्मेदारी को लेकर सवाल खड़े होते हैं। पिछले दो-तीन दिनों में सरकार परिसीमन विधेयक और एफसीआरए विधेयक जैसे विधेयकों को पारित कराने की कोशिश कर रही है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान के पंजगुर जिले में विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू, कई जगह धमाका, क्वेटा में पुलिसवालों के हथियार लूटे

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के पंजगुर जिले के चिडगी इलाके में बलोच विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया गया है। इस दौरान अलग-अलग जगहों पर मोर्टार शेल दागे जाने की भी खबरें हैं। उधर, क्वेटा में पुलिस अधिकारियों के हथियार लूटने की घटना के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सैन्य अभियान के दौरान पंजगुर जिले में कई जगह तेज धमाके हुए हैं। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट में स्थानीय सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि इस समय चिडगी और आसपास के इलाकों में पाकिस्तान की सेना का विद्रोहियों के खिलाफ अभियान चल रहा है। अभियान के दौरान अनेक स्थानों पर मोर्टार शेल दागे जाने से धमाके हुए हैं। सेना इस अभियान में ड्रोन का भी सहारा ले रही है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि बलोचिस्तान के मध्य शहर और प्रांतीय राजधानी क्वेटा में 8 अगस्त की रात हथियारबंद लोगों ने कंबरानी रोड पर पुलिस ईगल स्क्वाड के लोगों को हिरासत में लेने के बाद उनके हथियार छीन लिए। इस दौरान गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गया। बताया गया है कि हथियारबंद लोगों ने अधिकारियों के हाथ बांध दिए और उनके सरकारी हथियार अपने साथ ले गए।

वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से घाट से घाट जाना हुआ प्रभावित

एजेंसी

वाराणसी : सावन के द्वितीय सोमवार को वाराणसी में श्रीकाशी विश्वनाथ के दर्शन पूजन के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का गंगा घाटों पर पहुंचकर काशी नगरी का आनंद लेने पहुंचे। लेकिन गंगा नदी के बढ़े जलस्तर के कारण एक घाट से दूसरे घाट जाने का पैदल संपर्क अवरुद्ध (पानी में डूबे) होने से श्रद्धालुओं का पर्यटन पूरी तरह से प्रभावित दिखा। श्रद्धालु केवल घाट किनारों से गंगा की लहरों का लुत्फ लेकर और पवित्र गंगा जल की भर कर ही वापस हो गए। वहीं कुछ श्रद्धालु कठिनाइयों के साथ जल से भरे घाटों (घुटने तक भरे पानी) पर जोखिम के बीच घूमते दिखे। बिहार के रोहतास जिले से आए श्रद्धालु आलोक पांडेय और उनके परिजन ने बताया कि वाराणसी में श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन के बाद वे सभी घाटों पर घूमने आए थे लेकिन गंगा नदी का जल ऊपर की सीढ़िया तक आ जाने के कारण वे सिर्फ जल भरकर वापस जा रहे हैं। इस दौरान उन्होंने गंगा मैया की आरती कर दीपक जलाकर प्रार्थना की। लेकिन उनके मन में घाटों को घूमने की जिज्ञासा अधूरी ही रहे गई। चंदौली जनपद से आए मयंक और उनके साथियों ने बताया कि गंगा नदी के जलस्तर बढ़ने से कई घाटों का संपर्क टूट गया है। फिर भी वे घाटों पर घूमते हुए मौसम का आनंद ले रहे हैं। अभी भभुआ पाण्डेय घाट से घूमते हुए वे अहिल्याबाई घाट और शीतला घाट तक पहुंचे हैं। इसके बाद गौदोलिया होते हुए घर को वापस जाएंगे। बढ़े जलस्तर के बीच घूमने से उनके कपड़े गीले और गंदे हो गए हैं। जेब में रखे कुछ कागज और रुपये भी खराब हो गए हैं। काशी के घाटों पर गंगा का जलस्तर बढ़ने से जल पुलिस के जवानों ने सोमवार को श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न घाटों पर सावधानी रखते हुए निगरानी रखी। उन्होंने कहा कि घाटों पर नदी के जल में घूम रहे लोगों को खतरा मोल ना लेने के लिए सावधान किया जा रहा है। फिर भी लोगों का नदी के जल में घूमना फिरना और घाट पार कर जोखिम उठा रहे हैं। हम अपनी तरफ से उन्हें लगातार चेतावनी दे रहे हैं।

सराफा बाजार में शुरूआती कारोबार के दौरान मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट नजर आ रही है। कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,630 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,630 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,52,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,39,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,39,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना शुरूआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,52,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,39,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नयाग्राम में दो वाहनों से 22 मवेशी बरामद

कोलकाता : पश्चिम मेदिनीपुर से सटे झाड़ग्राम जिले के नयाग्राम थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो वाहनों से करीब 22 मवेशियों को बरामद किया। दोनों वाहन रात के अंधेरे में पुलिस वाहन को तेज गति से ओवरटेक कर आगे निकल गए थे। वाहनों की संदिग्ध गतिविधि को देखते हुए पुलिस ने उनका पीछा किया और बाद में दोनों को रोक लिया। सोमवार तड़के करीब 3:50 बजे नयाग्राम थाने की पुलिस बालिगेड़िया इलाके में नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान दो वाहन तेज गति से पुलिस के वाहन को ओवरटेक कर आगे निकल गए। वाहनों की गतिविधि संदिग्ध लगने पर पुलिस ने तत्काल उनका पीछा शुरू किया। कुछ दूर तक पीछा करने के बाद पुलिस ने बालिगेड़िया प्रखंड विकास कार्यालय के पास नौ नंबर राज्य मार्ग पर दोनों वाहनों को रोक लिया। वाहनों की तलाशी लेने पर उनमें करीब 22 मवेशी मिले। पुलिस ने सभी मवेशियों को बरामद कर सुरक्षित हिफाजत में रखा है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि रात के अंधेरे में मवेशियों को किसी अन्य स्थान पर ले जाया जा रहा था। हालांकि, वाहन चालकों के संबंध में अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस के पहुंचने के बाद दोनों चालक मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वाहनों में मौजूद अन्य लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही बरामद मवेशियों के स्वामित्व, उन्हें कहां से लाया गया था और कहां ले जाया जा रहा था, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि मामले का संबंध मवेशी तस्करी से है या नहीं।

बाबा भदेश्वर नाथ में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

बस्ती : सावन के दूसरे सोमवार को बस्ती के प्रसिद्ध शिव मंदिर बाबा भदेश्वर नाथ में आज भोर से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शिवभक्तों ने हाथों में गंगाजल, बेलपत्र और फूल लेकर बाबा भद्रेश्वरनाथ का जलाभिषेक किया और सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर पूरे दिन 'हर-हर महादेव' और 'हर-हर बम-बम' के जयघोष से गूंजता रहा। अयोध्या की सरयू नदी से पवित्र जल लेकर लौटे कांवड़ियों के जत्थे भी सुबह से मंदिर पहुंचते रहे। कांवड़ियों ने भी बाबा का जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। कांवड़ियों की उपस्थिति से मंदिर परिसर और आसपास का पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया, जहां भक्ति गीत और जयकारे लगातार सुनाई देते रहे। सावन के दूसरे सोमवार को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। मंदिर परिसर और आसपास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रवेश और निकास की व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखा गया था। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न स्थानों पर सेवा शिविर भी लगाए गए थे। इन शिविरों में कांवड़ियों और अन्य श्रद्धालुओं को पेयजल, प्रसाद और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। इस दौरान जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना व पुलिस अधीक्षक ने कई जगहों का जाएजा लिया।

युवक का शव सड़क किनारे मिला,साथी घायल

कानपुर : उत्तर प्रदेश में कानपुर नगर के पनकी औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार को सड़क किनारे एक युवक का शव पड़ा मिला। शव के कुछ दूरी पर एक युवक भी घायल अवस्था में पड़ा मिला। उसके नशे में होने की बात सामने आई है। पास खड़े ट्रक के पहियों पर खून के निशान मिलने के बाद पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। स्थानीय लोगों की नजर सुबह सड़क किनारे पड़े शव पर पड़ी तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने यूपी डायल 112 पर सूचना दी। जानकारी मिलते ही पनकी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को शव से कुछ दूरी पर एक युवक घायल मिला, जो नशे की हालत में था। पूछताछ के दौरान वह घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दे सका। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि दोनों युवक रात में ट्रक के आसपास मौजूद थे। इसी दौरान किसी कारण से हादसा हुआ होगा। हालांकि पुलिस अन्य संभावनाओं को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घायल युवक को उपचार के लिए निजी अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने घटनास्थल से ट्रक को कब्जे में ले लिया है। फोरेंसिक टीम को बुलाकर ट्रक और आसपास से मिले साक्ष्यों की जांच कराई जाएगी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि ट्रक के पहियों पर मिले खून के निशान का संबंध मृतक से है या नहीं।

मृतक की उम्र करीब 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उसके पास से ऐसा कोई दस्तावेज या मोबाइल नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस आसपास के थानों से गुमशुदगी का ब्योरा जुटाने के साथ ही घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पनकी थाना प्रभारी दिनेश कुमार भट्ट ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

चेकिंग के दौरान मुठभेड़ में पकड़ा गया अपराधी

कानपुर : उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के साढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार को वाहन चेकिंग के दौरान फायरिंग कर भाग रहे बाइक लूट के आरोपित को मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से आरोपित घायल हो गया। पुलिस उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि साढ़ पुलिस दरगाही लाल नहर पुल के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान कच्चा साढ़ की ओर से बाइक सवार आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। पीछा करने पर आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और उसे दबोच लिया गया। पकड़े गए आरोपित की पहचान आशीष उर्फ काशी निवासी दललेपुर, थाना बिधनू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में सामने आया कि आरोपित बाइक लूट की घटना में शामिल था। उसने अपने साथियों के साथ साढ़ क्षेत्र के देवसक गांव में दंपती पर हमला करने के बाद बाइक लूट की थी। पुलिस ने घायल आरोपित को पहले भीतरगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल आरोपित का पुलिस अभिरक्षा में इलाज चल रहा है। पुलिस ने उसके कब्जे से असलहा और कारतूस भी बरामद किए हैं। घटना में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस की कई टीमें जुटी हैं। संभावित ठिकानों पर दबिश देकर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

मध्य प्रदेश में मानसून ने पकड़ा जोर, भोपाल समेत कई शहरों में तेज बारिश का दौर, कई स्कूलों में छुट्टी

भोपाल : मध्य प्रदेश में लंबे समय से कम बारिश के बाद अब मानसून ने जोर पकड़ लिया है। मानसून ट्रफ और लो प्रेशर एरिया के सक्रिय होने से प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। भोपाल में शनिवार रात से लगातार बारिश हो रही है, जिसके चलते कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है। सोमवार को मौसम विभाग ने प्रदेश के 21 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को राजगढ़, विदिशा, सीहोर, हरदा और देवास में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान 8 इंच तक बारिश होने का अनुमान है। वहीं, उज्जैन, आगर-मालवा, शाजापुर, खंडवा, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, दमोह, जबलपुर, गुना, शिवपुरी और श्योपुर में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी भोपाल में शनिवार रात से शुरू हुआ बारिश का सिलसिला सोमवार सुबह तक जारी रहा।

न्यूज IN ब्रीफ

हजारीबाग की सोहराय कलाकार पुतली गंझू को किया गया सम्मानित

हजारीबाग : विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड आदिवासी महोत्सव मनाया जा रहा है। इस कड़ी में हजारीबाग में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान समाज के वैसे लोग जिन्होंने बेहतर किया है उन्हें सम्मानित किया गया। उनमें से एक हैं हजारीबाग की सोहराय आर्टिस्ट पुतली गंझू। पुतली गंझू ने हजारीबाग की 5000 साल से अधिक पुरानी लोक कला सोहराय को अंतरराष्ट्रीय स्तर में पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। पुतली गंझू को अब तक 45 से अधिक सम्मान भी मिल चुका है। पुतली झारखंड की एकमात्र ऐसी सोहराय कलाकार हैं जिन्हें लाइफटाइम कंट्रीब्यूशन अवार्ड मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स भारत सरकार की ओर से दिया गया है। पुतली गंझू ने अपनी मेहनत के बदौलत इस कला को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सोहराय कलाकार पुतली गंझू, सोहराय समिति के सदस्य गुस्ताव इमाम और डीडीसी रिया सिंह का बयान। (वीडियो-ईटीवी भारत) पुतली गंझू बताती हैं कि उन्होंने यह कला अपनी मां से सीखी थी। जंगल में पशु, पक्षी, चिड़िया, पेड़-पौधों को देखकर वह पहले अपनी कला दीवारों पर उकेरा करतीं थीं। घर के लोग विरोध करते थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और सोहराय कला की पहचान दूर तलक तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सोहराय कला पर काम करने वाले पद्मश्री बुलु इमाम के बेटे गुस्ताव इमाम बताते हैं कि पुतली देवी कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, इटली समेत कई देशों में जाकर हजारीबाग की सोहराय कला को पहचान दिलाई हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अपनी कला की बदौलत देश को नई पहचान दिला रहा है। आदिवासी समुदाय भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई देशों में रहता है। इनकी जीवनशैली, खान-पान, भाषा, पहनावा, रीति-रिवाज और परंपराएं अन्य समुदायों से काफी अलग और खास है।

पुतली देवी के काम के प्रति समर्पण और इस कला को नई पहचान दिलाने पर हजारीबाग की उप विकास आयुक्त रिया सिंह ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। डीडीसी ने कहा कि आदिवासी समाज देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। आजादी से लेकर वर्तमान समय में इनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

गुमला में लूटपाट करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश, कोरई गैंग के 11 शातिर गिरफ्तार

गुमला: जिले में दो बड़े सोना लूट मामले का खुलासा गुमला पुलिस ने किया है। पुलिस ने मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के 11 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह का संबंध कोरई गैंग से है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद जेल भेज दिया है। इसकी पुष्टि गुमला एसपी हारिस बिन जमां ने की है।

एसपी ने बताया कि यह गिरोह कई राज्यों में चोरी, छिनतई और लूट की घटनाओं को अंजाम देता था। गुमला के पालकोट और घाघरा में सोना व्यापारियों से करोड़ों रुपये की लूट हुई थी। उक्त दोनों घटनाओं को इसी गिरोह के अपराधियों ने अंजाम दिया था।

कैसे हुई अभियुक्तों की गिरफ्तारी

एसपी हारिस बिन जमां ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पालकोट के बिल्डिंगबीरा में छापेमारी कर पुलिस ने सबसे पहले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी निशानदेही पर बाद में चार अन्य अभियुक्तों को भी पकड़ा गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से लगभग 70 ग्राम सोना, करीब डेढ़ किलोग्राम चांदी, 1 लाख 70 हजार रुपये नकद, एक देसी पिस्तौल, दो देसी कट्टा, मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। एसपी ने आगे बताया कि गिरोह के कुछ सदस्य अभी भी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

गिरफ्तार आरोपियों में ये हैं शामिलगिरफ्तार आरोपियों में ओडिशा राज्य के जाजपुर जिला अंतर्गत कोरई थाना क्षेत्र के पुरवाकोट निवासी आर अर्जुन उर्फ अबला अर्जुन, अक्षय कबाड़ी, येशु दास, किशुन दास,अवला शेखर, आडिशा राज्य के जाजपुर जिला निवासी अर्जुन दास, नाईकेल सावन, मनोज दास, और भोला दात्त शामिल हैं। वहीं छत्तीसगढ़ राज्य के महासमुंद जिला निवासी करण नेताम और आंध्र प्रदेश राज्य के विशाखापट्टनम जिला के गरतीपट्टनम गांव निवासी मेकला येशु शामिल हैं।

वहीं पुलिस की छापेमारी टीम में चैनपुर एसडीपीओ श्रुति, गुमला एसडीपीओ सुरेश प्रसाद, बसिया एसडीपीओ शिवशंकर, सिसई के पुलिस अंचल निरीक्षक विनय कुमार, शिया के पुलिस अंचल निरीक्षक गुलशन भेंगरा, पालकीट थाना प्रभारी अंकित राज, धाचरा के थाना प्रभारी मोहन कुमार सिंह, रक्ळ टीम और तकनीकी शाखा के पदाधिकारी और कर्मी शामिल थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाओं का किया सम्मान

धनबाद : बाबा तिलका मांझी स्मारक समिति की ओर से रविवार को न्यू टाउन हॉल में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने आदिवासी संस्कृति, परंपरा, भाषा और लोकजीवन से जुड़े रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मनमोह लिया। मुख्य अतिथि डीएसपी (विधि-व्यवस्था) प्रकाश सोय ने कहा कि आदिवासी समाज में प्रतिभा की कमी नहीं है। जरूरत सही मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास की है। उन्होंने छात्रों से अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को संजोकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि विशेष प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता बेनीलाल मरांडी ने कहा कि संविधान में आदिवासी समाज के लिए कई प्रावधान हैं, लेकिन शिक्षा के अभाव में लोग अपने अधिकारों को पूरी तरह प्राप्त नहीं कर पाते।उन्होंने सामाजिक कुरीतियों को त्यागकर शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने की अपील की।डॉ लक्ष्मण सोरेन ने स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासियों के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन के अधिकारों को धरातल पर उतारना अभी बाकी है।

उपायुक्त ने दूसरी सोमवारी को लेकर अहले सुबह रूटलाइन व कावंरिया पथ का किया निरीक्षण

मेला क्षेत्र में पर तैनात अधिकारियों और पुलिस बल को 'सेवा भाव' व 'धैर्य' के साथ श्रद्धालुओं का सहयोग करने का निर्देश

बिनय मिश्रा

क्यू कॉम्प्लेक्स और होल्डिंग पॉइंट्स को श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप दुरुस्त रखने की सख्त हिदायत उपायुक्त ने सूचना केंद्र, स्वास्थ्य कैंप, मातृत्व विश्राम गृह सहित तमाम नागरिक सुविधाओं का लिया जायजा; सुचारू यातायात और मजबूत पार्किंग व्यवस्था के दिए निर्देश

राजकीय श्रावणी मेला, 2026 की दूसरी सोमवारी को लेकर बाबा बैद्यनाथ मंदिर में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मद्देनजर उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने आज अहले सुबह से मेला क्षेत्र, रूटलाइन और कांवरिया पथ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, कतार प्रबंधन और नागरिक सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त सभी वरीय अधिकारियों, दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों तथा पुलिस बल के जवानों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे अत्यंत धैर्य और संयम के साथ श्रद्धालुओं के सहयोग में खड़े रहें। उन्होंने कहा कि बाबाधाम आने वाले देवतुल्य कांवरियों की सेवा करना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए सभी अधिकारी और जवान पूरी तरह से 'सेवा भाव' से अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने नंदन पहाड़ से लेकर बाबा मंदिर तक भ्रमण कर पहली सोमवारी के बड़े प्रशासनिक टास्क को देखते हुए उन्होंने मौके पर उपस्थित पूरी टीम को हर पल मुस्तैद (एक्टिव मोड) रहने का निर्देश दिया, ताकि किसी भी संवेदनशील पॉइंट पर भीड़ का दबाव न बढ़े। उपायुक्त ने श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए मेला क्षेत्र में बनाए गए विभिन्न सेवा केंद्रों की जमीनी हकीकत को परखा। उन्होंने सूचना-सह-सहायता केंद्र, मातृत्व विश्राम गृह, पुलिस ओपी, ट्रैफिक ओपी, पर्यटन केंद्र, विद्युत केंद्र और स्वास्थ्य कैंप का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य कैंपों में जीवन रक्षक दवाइयों और एम्बुलेंस की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित रहे, मातृत्व विश्राम गृह में माताओं-बहनों को सभी आवश्यक प्राइवेसी व सुविधाएं मिलें, तथा बिजली व सूचना केंद्र बिना किसी बाधा के लगातार कार्यरत रहें ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

यातायात और पार्किंग व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मेला क्षेत्र में वाहनों के बढ़ते दबाव और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए ट्रैफिक व्यवस्था और पार्किंग स्थलों को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वाहनों की पार्किंग के लिए निर्धारित स्थलों पर समुचित व्यवस्थाएं हों और कोई भी वाहन अनाधिकृत रूप से सड़कों पर न खड़ा हो। उन्होंने यातायात रूट को इस प्रकार संचालित करने का निर्देश दिया जिससे स्थानीय लोगों और कांवरियों दोनों को कोई असुविधा न हो और शहर में जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। इसके अलावा श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित जलार्पण कराने के उद्देश्य से उपायुक्त ने रूटलाइन में बनाए गए सभी होल्डिंग पॉइंट्स को पूरी तरह दुरुस्त और सुविधायुक्त बनाए रखने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन होल्डिंग पॉइंट्स पर पानी, बिजली, मिस्ट कूलिंग और चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएं हर वक्त चालू रहें ताकि श्रद्धालुओं को कतार में खड़े रहने के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही, उन्होंने क्यू कॉम्प्लेक्स की संपूर्ण व्यवस्था को भी श्रद्धालुओं की सुविधा के अनुरूप पूरी तरह अप-टू-डेट रखने का निर्देश दिया और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, नगर आयुक्त सुश्री सुलोचना मीना, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार एवं संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

गढ़वा में कांग्रेस की बैठक में पंचायत परामर्श यात्रा की बनाई गई रूपरेखा

गढ़वा : गढ़वा परिसदन के सभागार में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओबैदुल्लाह हक अंसारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में जिला और प्रखंड स्तर के कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों के साथ पंचायत परामर्श यात्रा को लेकर रणनीति तय की गई। बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश प्रभारी के राजू के निदेर्शानुसार गढ़वा जिला की विभिन्न पंचायतों में परामर्श यात्रा आगामी 18 अगस्त से केतार प्रखंड से प्रारंभ होगी। इसको लेकर आगामी कार्यक्रम, संगठनात्मक तैयारियों और पंचायत स्तर पर आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, सुझावों और स्थानीय मुद्दों को समझने और उनके समाधान की दिशा में प्रभावी पहल करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

केतार प्रखंड से शुरू होगी पंचायत परामर्श यात्रा

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि गढ़वा जिले में पंचायत परामर्श यात्रा की शुरूआत 18 अगस्त को केतार प्रखंड से और 19 अगस्त को खरौंधी प्रखंड से की जाएगी। यात्रा के दौरान विभिन्न पंचायतों में पहुंचकर आम नागरिकों से संवाद स्थापित किया जाएगा और उनकी समस्याओं एवं जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ संकलित किया जाएगा।

भाषा विवाद पर दिया पूर्व मंत्री ने बयानः बैठक के बाद पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने मीडिया से बातचीत के क्रम में कहा कि वे जनहित के मुद्दे पूरी मजबूती से उठाते रहेंगे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान लोगों से मिले फीडबैक के अनुसार राज्य सरकार की ओर प्रतियोगी परीक्षाओं से क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं की सूची से भोजपुरी, मगही और अंगिका को हटाने से लोगों में गुस्सा व्याप्त है। इस पर सरकार को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं से क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं की सूची से भोजपुरी, मगही और अंगिका जानने वाले लोग दूसरी भाषाओं में परीक्षा कैसे देंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार या तो भोजपुरी, मगही और अंगिका को जोड़ें, नहीं तो हिंदी भाषा को ही क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं की सूची में शामिल करें। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी मातृ भाषा है और मातृ भाषा को समाप्त नहीं किया जा सकता है। तार्किकता को समझते हुए सरकार अविलंब हिंदी को शामिल करे। पूर्व मंत्री ने कहा कि हिंदी बोलने और जानने वाले लोगों के साथ नाइंसाफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ है। हमने नोटिस का जबाव दे दिया है। पार्टी हमारे साथ खड़ी है और हम भी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं।

विनीत तिवारी हत्याकांड : आरोपी रौशन तिवारी ने थाना में किया सरेंडर

मुख्य आरोपी प्रदीप तिवारी अब भी फरार

पलामू : चर्चित विनीत तिवारी अपहरण और हत्या मामले के मुख्य आरोपियों में से एक रोशन तिवारी ने सोमवार को मेदिनीनगर टाउन थाना में सरेंडर कर दिया। वह सोमवार सुबह अपने परिवार के सदस्यों के साथ थाना पहुंचा और पुलिस अधिकारियों के सामने अपनी पहचान बताई। सदर एसडीपीओ राजेश यादव और टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने उसके सरेंडर की पुष्टि की।

विनीत तिवारी का अपहरण 25 अप्रैल को पलामू के मेदिनीनगर टाउन थाना इलाके से किया गया था। उनका शव 26 अप्रैल को सदर पुलिस स्टेशन इलाके के जोरकट इलाके से बरामद हुआ था। इस घटना के सिलसिले में कुख्यात गैंगस्टर प्रदीप तिवारी (उर्फ महाकाल) और उसके भाई दिलीप तिवारी (उर्फ मिंटू) के खिलाफ ऋक्र दर्ज की गई थी। जांच के दौरान रोशन तिवारी, प्रशांत तिवारी और राकेश तिवारी के नाम भी सामने आए। पुलिस पहले ही दिलीप तिवारी और प्रशांत तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

इस घटना के मास्टरमाइंड प्रदीप तिवारी (उर्फ महाकाल) और राकेश तिवारी अभी भी फरार हैं। मुख्य आरोपियों में से एक, प्रशांत तिवारी को पुलिस ने पहले झांसी में गिरफ्तार किया था। पुलिस जांच से पता चला कि जमीन के कारोबार में वर्चस्व को लेकर हुए विवाद के कारण विनीत तिवारी का अपहरण और हत्या की गई थी। पुलिस सभी आरोपियों के घरों पर इश्तेहार चिपका चुकी है।

492 खराब डीप ट्यूबवेल की हुई मरम्मत

धनबाद : पूरी गर्मी का मौसम खत्म हो गया। बरसात आ गया है, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को जिले में 492 खराब डीप ट्यूबवेल (नलकूप) की मरम्मत की याद आई। इसको लेकर विभाग ने टेंडर निकाला है। कहा कि जिस ठेकेदार को काम आवंटन होगा, उसे चार महीने में पूरा करना है। यानी बरसात में भी इसका लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिलेगा। विभागीय अधिकारी का कहना है कि जिले के चार प्रखंडों में काम किया जाएगा। धनबाद, गोविंदपुर, एग्यारकुंड और बलियापुर क्षेत्र में काम किया जाएगा। यह काम को पांच भागों में बांटा गया है, जिससे काम जल्द हो सके। धनबाद में 100, गोविंदपुर सिविल एसडीओ 110, गोविंदपुर में 82, एग्यारकुंड 70, बलियापुर में 130 ट्यूबवेल की मरम्मत की जाएगी। कुल 22 लाख से अधिक की लागत से यह काम कराया जा रहा है। वहीं अधिकारी का कहना है कि पानी खींचने के लिए इन पर बिजली या डीजल से चलने वाले पंप (जैसे सबमर्सिबल या सेंट्रीफ्यूगल पंप) लगाए जाते हैं।

आरबीएसके स्क्रीनिंग में बीमार मिले 700 बच्चों का होगा विशेष इलाज

धनबाद : राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत जिले में हुई स्क्रीनिंग में बीमार मिले करीब 700 बच्चों के इलाज की अब विशेष व्यवस्था होगी। इसके लिए धनबाद सदर अस्पताल परिसर में इनके इलाज की व्यवस्था की जाएगी। जरूरत पड़ने पर धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भी बच्चों का इलाज होगा। बता दें कि आरबीएसके की स्क्रीनिंग के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई थी। यह जांच आरबीएसके के डॉक्टरों द्वारा की गई है। इस स्क्रीनिंग में करीब 700 बच्चे ऐसे मिले हैं, जिन्हें आगे उपचार की जरूरत है। ज्यादातर स्कूली बच्चे हैं। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे नेत्र रोग, ईएनटी (नाक, कान और गला) समेत अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं से पीड़ित पाए गए हैं। अब इन बच्चों को चिह्नित कर बीमारी के अनुसार उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार बच्चों को उनकी बीमारी के आधार पर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। नेत्र रोग, ईएनटी समेत संबंधित बीमारियों के मामलों में जरूरत के अनुसार विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवा ली जाएगी। अन्य स्वास्थ्य समस्याओं वाले बच्चों के लिए भी आवश्यक उपचार की व्यवस्था की जाएगी।

अधिकारियों का जोर इस बात पर है कि स्क्रीनिंग केवल बीमारी की पहचान तक सीमित न रहे, बल्कि चिह्नित बच्चों को उपचार भी मिले। इसी उद्देश्य से अलग वार्ड और इलाज की विशेष व्यवस्था की जा रही है। आनेवाले दिनों में चिह्नित बच्चों के इलाज और फॉलोअप की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। चिह्नित बच्चों के इलाज के लिए सदर अस्पताल परिसर में अलग वार्ड बनाने की योजना है। यहां आरबीएसके के तहत चिह्नित बच्चों की जांच, उपचार और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श की व्यवस्था की जाएगी। गंभीर बीमारी वाले बच्चों को आवश्यकता के अनुसार उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर भी किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने वार्ड के लिए उपयुक्त स्थल चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है।

त्वरित टिप्पणी : पानी की बौछार से नहीं बुझते सवाल

बैरिकेड टूटे, मगर छात्रों का संकल्प नहीं
विधानसभा मार्च ने सरकार के सामने खड़े किए गंभीर सवाल

डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो 'गोतिया'

रांची की सड़कों पर आज झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्रों का विधानसभा मार्च केवल एक विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि अपने भविष्य और अधिकारों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी की मुखर अभिव्यक्ति बन गया। नियोजन और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े सवालों को लेकर बड़ी संख्या में छात्र राजधानी पहुंचे। प्रशासन ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग की, कंटीले तार लगाए और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। आंदोलन को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन से पानी की बौछार भी की गई। इसके बावजूद छात्रों का हुजूम आगे बढ़ता रहा और अनेक अवरोधों को पार करते हुए विधानसभा के करीब पहुंच गया।

यह दृश्य कई गंभीर सवाल छोड़ गया, क्या युवाओं की आवाज को बैरिकेड से रोका जा सकता है? क्या पानी की बौछार उनके मन में उठ रहे सवालों को शांत कर सकती है?

प्रशासन का दायित्व कानून-व्यवस्था बनाए रखना है और बड़े जनसमूह के आंदोलन के दौरान सुरक्षा संबंधी चिंताएं स्वाभाविक हैं। लेकिन लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि व्यवस्था बनाए रखने के साथ नागरिकों की आवाज भी सुनी जाए। यदि छात्र शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें सरकार तक पहुंचाने के लिए मार्च कर रहे हैं, तो उनके साथ संवाद लोकतांत्रिक समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम हो सकता है।

प्रतियोगी परीक्षाएँ युवाओं के लिए केवल नौकरी पाने का साधन नहीं हैं। इनके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें और भविष्य के सपने जुड़े होते हैं। इसलिए परीक्षा या चयन प्रक्रिया में अनियमितता, पक्षपात अथवा पारदर्शिता की कमी के आरोप सामने आएं, तो उन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। न तो आरोपों के आधार पर किसी को दोषी ठहराया जा सकता है और न ही शिकायतों को बिना जांच के खारिज किया जाना उचित है। रास्ता एक ही है और वह है निष्पक्ष जांच, तथ्यपूर्ण निष्कर्ष और विधिसम्मत कार्रवाई। यदि जांच में अनियमितता प्रमाणित होती है, तो दोषियों पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते, तो पारदर्शी जांच के माध्यम से स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। इससे छात्रों का विश्वास भी बढ़ेगा और सरकारी संस्थाओं की विश्वसनीयता भी मजबूत होगी।आज छात्रों ने बैरिकेड तोड़े, कंटीले तार पार किए और वाटर कैनन की बौछार के बावजूद आगे बढ़े। यह केवल उनकी शारीरिक दृढ़ता नहीं, बल्कि उनके भीतर जमा असंतोष और न्याय की मांग की तीव्रता का संकेत भी है। हालांकि किसी भी आंदोलन की वास्तविक सफलता केवल अवरोध पार करने में नहीं, बल्कि समाधान तक पहुंचने में होती है। अब सरकार के सामने अवसर है कि वह टकराव को संवाद में बदले। छात्रों की मांगें सुने, शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराए और तथ्यों के आधार पर न्यायसंगत निर्णय ले।

बैरिकेड रास्ता रोक सकते हैं, सवाल नहीं। पानी की बौछार शरीर को भिगो सकती है, लेकिन न्याय की उम्मीद को नहीं बुझा सकती।

आज झारखंड के छात्र केवल विधानसभा की ओर नहीं बढ़े बल्कि उन्होंने शासन के सामने एक स्पष्ट संदेश रखा है कि हमें टकराव नहीं, न्याय चाहिए। आश्वासन नहीं, पारदर्शी कार्रवाई चाहिए। अब देखना यह है कि सत्ता इस आवाज को कितनी गंभीरता से सुनती है।